



श्रीमद्-आधशङ्करभगवत्पाद-परम्परागत-मूलाभाय-
सर्वज्ञपीठ-श्री-काञ्ची-कामकोटि-पीठं
जगद्गुरु-शङ्कराचार्यस्वामि-श्रीमठसंस्थानम्

श्रीमत्-शङ्कर-भगवत्पाद-सहस्रनामावलि:

1. श्रीगुरवे नमः
2. शुद्धहृदयाय नमः
3. श्रेयसे नमः
4. शान्ताय नमः
5. दयानिधये नमः
6. दान्ताय नमः
7. तितिक्षवे नमः
8. चन्द्राभाय नमः
9. न्यस्तकर्मणे नमः
10. समाहिताय नमः
11. यटुलाय नमः
12. यतयित्ताय नमः
13. श्रद्धधानाय नमः

14. चिरन्तनाय नमः
15. चापलाय नमः
16. चतुरास्येऽयाय नमः
17. चरितव्रतकोविदाय नमः
18. चतुराय नमः
19. श्रुतिभौलिस्थाय नमः
20. शिवाय नमः
21. शुद्धप्रबोधकाय नमः
22. वशिने नमः
23. विश्वेश्वराय नमः
24. भुज्याय नमः
25. अमूल्याय नमः
26. भूलकृते नमः
27. भप्तिने नमः
28. भूर्धाभिषिक्ताय नमः
29. सर्वेशाय नमः
30. भट्टादेवाय नमः
31. भट्टामदाय नमः
32. भवाय नमः
33. रुद्राय नमः
34. हराय नमः
35. भुग्धाय नमः
36. शर्वाय नमः
37. ईशानाय नमः
38. ईश्वराय नमः

39. भडेशाय नमः
40. स्वस्तिकृते नमः
41. सुस्थाय नमः
42. स्थिराय नमः
43. स्थाणवे नमः
44. सुरार्चिताय नमः
45. शाश्वताय नमः
46. सौम्यवदनाय नमः
47. सिद्धयोगिनिषेविताय नमः
48. सोमाय नमः
49. सुधास्वच्छतनवे नमः
50. श्रीमते नमः
51. प्रेयसे नमः
52. जगत्पतये नमः
53. श्रीकण्ठाय नमः
54. श्रितवात्सल्याय नमः
55. शाश्वताय नमः
56. शङ्कराभिधाय नमः
57. वीराय नमः
58. शुभविहारिणे नमः
59. शुद्धब्रह्मैक्यमूर्तिमते नमः
60. अभिलाय नमः
61. अभिलक्षणाभ्याय नमः
62. भूतात्मने नमः
63. भूतकृते नमः

64. विभवै नमः
65. आज्ञाकृते नमः
66. अमरोधोगिने नमः
67. कलिभीतसुरार्थिताय नमः
68. गुडादेशिने नमः
69. गुडागेहिने नमः
70. विष्णुब्रह्मनिदेशकृते नमः
71. गुह्याय नमः
72. गुडाशयाय नमः
73. गूढाय नमः
74. भूरिदाय नमः
75. भूतिकृते नमः
76. बुधाय नमः
77. भूभृत्स्थाय नमः
78. भूतिभृते नमः
79. भूभुजे नमः
80. भूतेशाय नमः
81. भूतभावनाय नमः
82. भद्राय नमः
83. भव्याय नमः
84. भवमिषजे नमः
85. भक्तपूज्याय नमः
86. पिनाकभृते नमः
87. भास्वलात्मने नमः
88. मधुरवाये नमः

89. स्मिताय नमः
90. भान्याय नमः
91. मधवे नमः
92. भुनये नमः
93. मलातेजसे नमः
94. मलितवाये नमः
95. अलङ्काराय नमः
96. अमलाय नमः
97. अनघाय नमः
98. बालाय नमः
99. अबलैषणामुक्ताय नमः
100. आर्यभुवे नमः
101. आर्यसंश्रयाय नमः
102. शीलिने नमः
103. शिवगुरुप्रेष्ठाय नमः
104. आर्याम्भासुप्रजायै नमः
105. शिवाय नमः
106. परात्पराय नमः
107. त्रयस्त्रिंशत्कोटिदेवसुसन्नुताय नमः
108. उदारधिये नमः
109. सत्यरूपाय नमः
110. कालटीजननाय नमः
111. अद्वयाय नमः
112. विधापतये नमः
113. वटवे नमः

114. वेधाय नमः
115. चिन्मयाय नमः
116. यूर्णिकाप्रियाय नमः
117. श्रीमात्रार्थितगार्दस्थाय नमः
118. श्रेयोधिने नमः
119. श्रितदेशिकाय नमः
120. श्रीमुष्माय नमः
121. श्रीधराय नमः
122. शुष्मिणे नमः
123. शासित्रे नमः
124. शुभये नमः
125. उज्ज्वलाय नमः
126. साधवे नमः
127. स्थेयसे नमः
128. संयियंसवे नमः
129. सरिदाप्सुतविग्रहाय नमः
130. ग्राहग्रहव्याजलब्धप्रसूसन्न्याससम्मतये नमः
131. सन्न्यस्ताय नमः
132. संयमिने नमः
133. प्रैषिणे नमः
134. संसारत्यागतत्पराय नमः
135. अर्थिष्मते नमः
136. आत्तगोविन्दाय नमः
137. प्रस्थिताय नमः
138. प्राप्तसद्गुरवे नमः

139. आमोदिने नमः
140. निगमान्तज्ञाय नमः
141. ऐकानन्दरसात्मकाय नमः
142. श्रीब्रह्मसूत्रव्याख्यात्रे नमः
143. ऐकदण्डाय नमः
144. कषायभृते नमः
145. भक्तप्रपञ्चसंस्थात्राय नमः
146. गोविन्दभगवत्प्रियाय नमः
147. हरिसब्रह्मचारिणे नमः
148. स्पृष्टगौडपदाम्बुजाय नमः
149. मातङ्गश्रीमहादेवीयोक्तिस्थापितसन्मताय नमः
150. यतितीर्थादिपुर्यन्तसम्प्रदायप्रवर्तकाय नमः
151. बाहरायणवाग्वादिने नमः
152. बहुशिष्यपरीवृताय नमः
153. पद्मपादसनाथाय नमः
154. योगप्राप्तहरायलाय नमः
155. आनीतलिङ्गकुलकाय नमः
156. आनन्दलहरीग्रहाय नमः
157. केदारेशप्रतिष्ठात्रे नमः
158. नेपालवरलिङ्गकृते नमः
159. काश्मीरादिक्षेत्रवासिने नमः
160. दुर्वादिमतभाण्डनाय नमः
161. श्रीहस्तिगिरिनाथादिविद्वक्षेत्रयराय नमः
162. सुधिये नमः
163. रुद्धभट्टोक्तिराद्धान्ताय नमः

164. जितमण्डनभारतये नमः
165. परकायप्रवेशाप्तपाञ्चशर्यमहागमाय नमः
166. गुहानृसिंहसंस्तावलब्धदग्धकराम्बुजाय नमः
167. सरस्वतीजयाध्मातयतीश्वरसुरेश्वराय नमः
168. हस्तामलकसेव्याङ्घ्रये नमः
169. तोटकार्यसुसेविताय नमः
170. यित्सुभोदङ्कुसय्छात्रवन्दिताङ्घ्रये नमः
171. गुणाम्बुधये नमः
172. छञ्जलब्धगिरीशात्मने नमः
173. गौरीकान्ताय नमः
174. गुह्यतमाय नमः
175. गुरुराजाय नमः
176. गुणिने नमः
177. गोप्त्रे नमः
178. गोपनाय नमः
179. नराकृतये नमः
180. निर्भमाय नमः
181. नरकारातये नमः
182. नभ्याय नमः
183. नाथाय नमः
184. निरञ्जनाय नमः
185. निस्स्पृहाय नमः
186. निष्कलाय नमः
187. नित्याय नमः
188. नामरूपविवेकवते नमः

189. नाद्रीकाय नमः
190. निष्क्रियाय नमः
191. नीरुजे नमः
192. निराशिषे नमः
193. निरामयाय नमः
194. निर्नतये नमः
195. निःस्वधाकाराय नमः
196. निःस्वाहाकृते नमः
197. निरीश्वराय नमः
198. नीरूपकाय नमः
199. निर्गुणाय नमः
200. निष्कर्मणे नमः
201. निर्व्यथाय नमः
202. वशिने नमः
203. निर्दोषाय नमः
204. नित्यपुष्टाय नमः
205. हृष्टाय नमः
206. तुष्टजनाश्रयाय नमः
207. साक्षात्कारिणे नमः
208. सन्निधानाय नमः
209. सूरये नमः
210. सायङ्कृष्टाय नमः
211. यमिने नमः
212. सते नमः
213. सात्वते नमः

214. सात्त्विकाय नमः
215. सत्त्व्याय नमः
216. सर्वमित्राय नमः
217. स्मरान्तकाय नमः
218. सशिष्याय नमः
219. सङ्ग्रहिणे नमः
220. ज्ञायसे नमः
221. बलिने नमः
222. वाग्मिने नमः
223. मितोक्तिकृते नमः
224. वायंयमाय नमः
225. वरिष्ठाय नमः
226. व्याख्यानाभ्यायिकापटवे नमः
227. परमाय नमः
228. परिभुवे नमः
229. प्रौढाय नमः
230. प्राज्ञाय नमः
231. प्रीताय नमः
232. प्रियंवदाय नमः
233. प्रातर्दिने नमः
234. दहयोगिने नमः
235. प्रह्लाद नमः
236. प्रश्ननिर्मुखाय नमः
237. पारङ्गताय नमः
238. पाशमुक्ताय नमः

239. परविदे नमः
240. प्रत्यगीक्षित्रे नमः
241. अधिष्ठानविदे नमः
242. अव्याजाय नमः
243. ऐकवादिने नमः
244. द्वयासहाय नमः
245. स्वभुवे नमः
246. स्वराजे नमः
247. विराजे नमः
248. मौनिने नमः
249. स्वप्रकाशाय नमः
250. स्वयम्भ्रभवे नमः
251. भूते नमः
252. अरूपाय नमः
253. अव्यक्ताय नमः
254. परस्मै ज्योतिषे नमः
255. परस्मै पदाय नमः
256. परस्मै धाम्ने नमः
257. परस्यै काष्ठायै नमः
258. परस्यै शक्त्यै नमः
259. परस्यै गत्यै नमः
260. परस्मै ओक्से नमः
261. परस्मै वस्तुने नमः
262. परस्मै ब्रह्मणे नमः
263. परस्मै पुरो नमः
264. परायणाय नमः

265. परस्मै भावाय नमः
266. प्रशान्तात्मने नमः
267. प्रसादकाय नमः
268. प्रज्ञानघनमूर्तये नमः
269. प्रशास्त्रे नमः
270. प्रत्यगर्थवते नमः
271. विज्ञात्रे नमः
272. विश्वकृते नमः
273. वेधसे नमः
274. वेदवेधस्ववैभवाय नमः
275. सत्यप्रताय नमः
276. सत्यपराय नमः
277. त्रिसत्याय नमः
278. सत्यनायकाय नमः
279. सत्यप्रतिष्ठाय नमः
280. सत्याशिषे नमः
281. सत्यार्थप्रेरकाय नमः
282. सभाय नमः
283. धक्षित्रे नमः
284. सखिदानन्दस्वरूपाय नमः
285. सदसत्पराय नमः
286. सत्यरूपाय नमः
287. सत्यसंस्थाय नमः
288. नगेशाय नमः
289. छात्रमानिताय नमः
290. नारदादिनुताय नमः

291. नम्राय नमः
292. नारीनरनवाकृतये नमः
293. व्यासजैमिनिवाग्वादिने नमः
294. शारदाविजयिने नमः
295. शमिने नमः
296. सुरेश्वराचार्यदत्तस्वाश्रमाय नमः
297. सूरिकेसरिणे नमः
298. अङ्कितादिप्रात्यङ्कृत्यदूरवैदिकवर्त्मकृते नमः
299. कुकूलानलकूटस्थकुमारिलकृतानतये नमः
300. कुतर्ककर्कशक्षमाभृत्कुलिशाय नमः
301. कविकेसरिणे नमः
302. कुवादिमदमत्तेभपञ्चास्याय नमः
303. कलिनाशनाय नमः
304. योगरोगहराय नमः
305. साङ्ख्यसङ्ख्यावते नमः
306. अभितधुतये नमः
307. जितजैनप्रतिष्ठमस्तम्भनोऽध्याटनामनवे नमः
308. वैशेषिकविशेषोक्तिविशेषाणवियक्षाणाय नमः
309. निरस्तद्वैतिमूर्धन्यशैवभागवतागमाय नमः
310. काञ्चीनगरनिर्मातृराजसेननृपार्णिताय नमः
311. वरदालयनिर्मात्रे नमः
312. ऐकाम्रनाथपद्मोद्धराय नमः
313. गुडास्थयित्कलायाऽय्यभ्याऽनाय नमः
314. कालभ्याऽनाय नमः
315. कामकोष्ठधराक्रीडाय नमः

316. कामकोटिपदाश्रयाय नमः
317. कामाक्षीवरिवस्याकृते नमः
318. कालहस्तीश्वरार्यनाय नमः
319. क्लृप्तसोपानसुप्रापशेषायलशिरःपदाय नमः
320. दिव्याय नमः
321. दीव्यद्भ्रह्मवर्यसे नमः
322. दीनरक्षिणे नमः
323. दरापलाय नमः
324. देवदेवाय नमः
325. दीनबन्धवे नमः
326. दयिताय नमः
327. दीनदैन्यहृते नमः
328. दोषदूराय नमः
329. दुष्टरिपवे नमः
330. दुर्वासःश्लाघिताय नमः
331. अदराय नमः
332. द्रविणाधेषाणात्यागिने नमः
333. दोषज्ञाय नमः
334. दूरदर्शनाय नमः
335. दीर्घदर्शिने नमः
336. दौःस्थ्यदूराय नमः
337. दारिद्र्यदमनाय नमः
338. दयिने नमः
339. दलिताशेषधीदोषाय नमः
340. विस्तृताद्वैतवैभवाय नमः

341. क्षेत्राटनकुम्भान्तकृत्स्नभारतमण्डलाय नमः
342. कैलाससेविने नमः
343. बदरीनारायणपदाश्रयाय नमः
344. कामरूपार्यनाय नमः
345. अकामाय नमः
346. काश्मीरेश्वरसेवकाय नमः
347. अवन्तीद्वारकायोध्यामायाकाञ्चीमहीप्रियाय नमः
348. कालीघट्टरिद्वारजम्बुदेवीप्रयागगाय नमः
349. श्रीशैलेशजगन्नाथपुरुषोत्तमभीमगाय नमः
350. त्र्यम्बकोज्जयिनीविन्ध्यवासिनीसेवनापराय नमः
351. सेतुकन्याकुमारीगाय नमः
352. जनार्दनजनार्तिघ्ने नमः
353. अनन्तपुरवैयाघ्रवृषायलपदाश्रयाय नमः
354. कालटीकलभाय नमः
355. कल्याय नमः
356. सरःशरञ्जरीयराय नमः
357. कृत्स्नकर्णाटपाण्ड्यान्धयेरयोदमहीयराय नमः
358. श्रीनीपतिल्वन्यग्रोधछायाश्वेतवनाश्रयाय नमः
359. मान्यश्रीरङ्गमधुरार्जुनशायिपुराश्रयाय नमः
360. अभिलाण्डेश्वरीरत्नताटङ्गन्यस्तयन्त्रराजे नमः
361. काञ्चीगुहाच्छदन्यस्तयङ्गराजपरिस्तराय नमः
362. भूम्यभेजेनिलाकाशलिङ्गसेवाधृतादराय नमः
363. सत्यव्रतस्थलस्थायिने नमः
364. कामकोटिमहास्पदाय नमः
365. विदम्बरसत्मान्यस्तमोक्षलिङ्गाय नमः

366. अलिङ्गाय नमः
367. ऋश्यशृङ्गाश्रमन्यस्तभोगलिङ्गाय नमः
368. ऋतम्भरिणो नमः
369. शारदामान्यसन्देशाय नमः
370. सर्वज्ञाय नमः
371. सर्वपापनुद्धे नमः
372. शारदामठसङ्क्षुभशारदापीठपावनाय नमः
373. शारदास्थापनापूतऋश्यशृङ्गगिरिस्थलाय नमः
374. अशरीरवयोव्यूढकामकोटिमठस्थितये नमः
375. कामकोटिमहापीठमध्यदृश्यमहामायाय नमः
376. कालघ्नाय नमः
377. कामदुहे नमः
378. कान्ताय नमः
379. शारदाजैत्रवाङ्मुखाय नमः
380. कामकोटिधरागोष्ठिने नमः
381. कर्मन्तिकुलशेभराय नमः
382. शिष्यसङ्क्षुभरज्ञानप्रततीदोऽदप्रदाय नमः
383. मठाम्नायमहाम्नायसेतुकेरलधर्मकृते नमः
384. पुर्यन्ततीर्थप्रमुञ्जशिष्यागमविवेचनाय नमः
385. आनन्देन्द्राभिधापूर्वसरस्वत्याह्वयागमाय नमः
386. आनन्दमयजानन्दिवाग्जयभ्यातवाक्प्रदाय नमः
387. योगेश्वरार्यानिरताय नमः
388. योग्याय नमः
389. योगविदां वराय नमः
390. सुस्थिताय नमः

391. सुस्थिराय नमः
392. स्निग्धाय नमः
393. स्थास्नवे नमः
394. स्थोम्ने नमः
395. स्थितिप्रदाय नमः
396. सत्यव्रतपटप्राप्तब्रह्मीभावाय नमः
397. अशरीरवते नमः
398. दुस्तरापारसंसारपारतारणकृत्तरये नमः
399. कृत्तारिवर्गसंशान्तस्वान्तलक्ष्यस्ववैभवाय नमः
400. अनातुराय नमः
401. अतुलिताय नमः
402. सद्धृत्ताय नमः
403. साधुदर्शनाय नमः
404. षड्दर्शनीपारदृश्यने नमः
405. षडध्वातीतमानसाय नमः
406. अदोषाय नमः
407. दुर्जयाय नमः
408. अदूनाय नमः
409. दुर्धर्षाय नमः
410. अपुनर्भवाय नमः
411. शुद्धाय नमः
412. बुद्धाय नमः
413. प्रबुद्धात्मने नमः
414. सिद्धाय नमः
415. प्रेद्धाय नमः

416. समुद्धराय नमः
417. समिद्धाय नमः
418. प्रतिभाविद्धाय नमः
419. सारज्ञाय नमः
420. सर्वशास्त्रविदे नमः
421. सुधास्वादुवयसे नमः
422. सूक्ष्ममतये नमः
423. मोहतमोरवये नमः
424. मढायशसे नमः
425. मढाशीलाय नमः
426. मढौजसे नमः
427. मढामुनये नमः
428. मढनीयाय नमः
429. मढासत्त्वाय नमः
430. माननार्ढाय नमः
431. मढार्थविदे नमः
432. मायातत्त्वविदे नमः
433. अव्यग्राय नमः
434. मढीमण्डपण्डिताय नमः
435. मातृकृत्यासाह्यकर्मशमकेरलभूसुराय नमः
436. यथाप्रतिश्रवायीर्णस्मृतमातृप्रतिश्रुतये नमः
437. रवीन्दुदृशे नमः
438. दोर्मन्थोत्थाग्निसन्दीपिताम्बिकाय नमः
439. रसज्ञाय नमः
440. रसिताम्नायाय नमः

441. रागद्वेषहराय नमः
442. भङ्गते नमः
443. राजयोगिने नमः
444. आत्मकामाय नमः
445. निराशाय नमः
446. मातृवत्सलाय नमः
447. कामतन्त्रकलाप्त्यर्थकायान्तरनिवेशनाय नमः
448. काव्यरत्नविनिर्माणलब्धोदात्तकविप्रथाय नमः
449. माधुर्यधुर्यङ्गितये नमः
450. मधुराधीशमानिताय नमः
451. ज्योतिःपुरेशविनुताय नमः
452. पारेजयपुरस्थितये नमः
453. विरूपाक्षस्थलासेविने नमः
454. विजयाभ्यपुरीयराय नमः
455. विदिशादेशविहृतये नमः
456. विश्वनाथपदप्रियाय नमः
457. पाटलीपुत्रसंस्थानाय नमः
458. विष्णुपादप्रसेवनाय नमः
459. गयावटद्रुमूलस्थाय नमः
460. लङ्कायलनिर्गुह्ये नमः
461. वृन्दावनान्तसञ्चारिणे नमः
462. व्यासायलबिलाश्रयाय नमः
463. ओङ्कारकुण्डविहृतये नमः
464. मल्लिकार्जुनमग्नधिये नमः
465. श्रीपञ्चनदपञ्चास्यशिष्यषण्डनिषेविताय नमः

466. अङ्गोबिलगुडारामाय नमः
467. कमलाक्षाय नमः
468. कलानिधये नमः
469. कलिध्वंसिने नमः
470. कामरूपाय नमः
471. कामयाराय नमः
472. कलामयाय नमः
473. परमेष्ठिने नमः
474. वशप्राणाय नमः
475. कामाक्षीसेवनोत्सुकाय नमः
476. प्राणदाय नमः
477. प्राणयिने नमः
478. पुष्टाय नमः
479. सर्वतन्त्रस्वतन्त्राधिये नमः
480. स्वतन्त्रात्मने नमः
481. नास्तिकान्तकृते नमः
482. प्रधिये नमः
483. आसनाध्वविदे नमः
484. दग्धक्षपाणकोत्सेधाय नमः
485. दक्षिण्यनिधये नमः
486. अक्षताय नमः
487. दक्षाय नमः
488. दक्षिणदिक्सिद्धाय नमः
489. कालत्रयविदे नमः
490. आस्तिकाय नमः
491. आदृष्टे नमः

492. अपौरुषाय नमः
493. ध्वस्तकापालिकमतक्रमाय नमः
494. कामिनीविभुजाय नमः
495. काम्याय नमः
496. कर्मत्यजे नमः
497. कार्मणाय नमः
498. कृतिने नमः
499. कल्याणगुणशीलाय नमः
500. क्रियामुक्ताय नमः
501. कृपाघनाय नमः
502. कीर्तिमते नमः
503. कृतयोगेशपूजात्रातजगज्जनाय नमः
504. धम्मिल्लपुरराज्यश्रीबालार्यननृपार्यिताय नमः
505. वेदान्तभास्कराय नमः
506. ज्ञानयन्द्राय नमः
507. ऐश्वर्यवारिधये नमः
508. नेपालदेशभूपालवृषदेवोपदेशकृते नमः
509. कैलासकूटसङ्ग्रहपशुपत्यर्यनाविधये नमः
510. सौगतप्रातनिष्कासपटवे नमः
511. वैराग्यबोधकाय नमः
512. सुधीमणये नमः
513. दिव्यदर्शिने नमः
514. देवदैन्यहृते नमः
515. अब्रमाय नमः
516. प्रसन्नकमलादत्तदरिद्रब्राह्मणीनिधये नमः

517. सङ्कुलकुसुमप्रभ्यमन्दमन्दस्मिताङ्कुराय नमः
518. यिन्मुद्रापरिधूतान्तेवासिपुङ्गवसंशयाय नमः
519. हरिहरिवयोऽसत्समसात्कृतभैरवाय नमः
520. समाश्रितसुधन्वात्तपाद्गुणानित्यपूजनाय नमः
521. नमःशेषिणे नमः
522. नामपराय नमः
523. नन्दिताशेषविष्टपाय नमः
524. अकृष्टिने नमः
525. कषायिने नमः
526. भुक्तिने नमः
527. भक्तिस्तौगताय नमः
528. दिगम्बरादिदुःसिद्धसिद्धान्तविनिर्बल्लभाय नमः
529. भल्लिकाश्चेतदशनाय नमः
530. भल्लिकादूरमानसाय नमः
531. कामारिभूर्तये नमः
532. कुतुकिने नमः
533. कमनीयगुणाकराय नमः
534. सोमोद्धवातटीकूमसौम्यगोविन्दसेवनाय नमः
535. भल्लिकाप्रिययालुङ्कराजपूजितविग्रहाय नमः
536. अत्याश्रमवरिष्ठाय नमः
537. श्रिये नमः
538. श्रितकल्पद्रुमाय नमः
539. अश्रमाय नमः
540. भरुद्धाजलस्नायिने नमः

541. घटोद्वसुदर्शनाय नमः
542. स्वयंविनम्रवृक्षाग्रशाभार्पितकुलाशनाय नमः
543. वर्षद्वलाहकोन्मुक्तनीरासाराध्वमध्यगाय नमः
544. समुज्ज्वलद्वज्ज्वालादत्तवीथीवनाश्रयाय नमः
545. शरारुमृगनिर्व्यूढसरणीयसृतिक्रमाय नमः
546. सदानुकूलपवनाय नमः
547. वसिष्ठाय नमः
548. वाग्यताय नमः
549. वराय नमः
550. समीभवत्समुत्पाताय नमः
551. पांसून्मुक्तपथान्तराय नमः
552. तुषारशीकरस्पृष्टश्लिष्टपिष्टादनक्रियाय नमः
553. भकरन्दजरीमान्यमधुरोक्तये नमः
554. भडाकवये नमः
555. कमण्डलूदरकोडीकृतकल्लोलिनीजराय नमः
556. अमृष्टमस्मकिलिन्नांशुकान्तनीरयरस्थितये नमः
557. वेलाधामव्युदस्ताब्धये नमः
558. भृतसञ्जीवनेक्षणाय नमः
559. भडाव्याधिप्रशमनाय नमः
560. भदग्राय नमः
561. भृगवश्यकृते नमः
562. जडकुब्जादिसम्भाषिणे नमः
563. लतापुष्पकृतार्थनाय नमः
564. सौवस्तिककोष्टुब्न्दाय नमः

565. सौभसुप्तिककौशिकाय नमः
566. सौप्राभातिककाकोलाय नमः
567. सौभासनिकपत्रगाय नमः
568. सौभगायनकृद्धेकाय नमः
569. सौवातिथ्यकपुष्पलिङ्गे नमः
570. सौवागतिकशार्दूलाय नमः
571. सौभोन्मृष्टिकवृश्चिकाय नमः
572. सौस्नातिकप्रस्रवाणाय नमः
573. सौवभ्यञ्जनिकाम्बुदाय नमः
574. सौवीजितिकवातूलाय नमः
575. सौवनातपिकद्रुमाय नमः
576. सौवासितिकपञ्चास्याय नमः
577. सौवन्धसिकवाहसाय नमः
578. सौविहासिकमत्तेमाय नमः
579. सौवध्युषितकृद्गुहाय नमः
580. सौप्रस्थितककान्ताराय नमः
581. सौशाकुनिकमौकलाय नमः
582. सौवापीतिकवेशन्ताय नमः
583. सौजग्धिककुलेग्रहये नमः
584. सौविलिप्तिकभूधूलये नमः
585. सौवस्त्रकपटय्यराय नमः
586. सौजापितिकमल्लूकाय नमः
587. सौवधीतिकयातकाय नमः
588. सौसंविष्टिकगोपुच्छाय नमः

589. सौवुद्धीतिककोकिलाय नमः
590. सौभप्रबुद्धिकश्चाविधे नमः
591. सौवाह्निकदिवकराय नमः
592. सौरात्रिकतुषारांशवे नमः
593. सौयामिकदिवानिशाय तमः
594. अवाये नमः
595. अकायाय नमः
596. अयित्ताय नमः
597. दण्डिने नमः
598. द्वैततमोरवये नमः
599. षड्गुणाय नमः
600. सप्तभङ्गीस्याद्वादभेदिने नमः
601. अष्टसिद्धिमते नमः
602. त्र्यक्षमूर्तये नमः
603. यतुर्वर्गसुरभये नमः
604. बुद्धिवेष्टित्रे नमः
605. श्रीनवावरणार्थादिविधायार्थाय नमः
606. अदशाय नमः
607. अजराय नमः
608. रुद्रैकादशिनीजापस्नपितार्धेन्दुशेखराय नमः
609. निर्गन्धाय नमः
610. न्यस्तकर्मोघाय नमः
611. निःश्रेयसरताय नमः
612. अरतये नमः
613. निरन्ताय नमः

614. नीरुजाय नमः
615. अनीडाय नमः
616. नियमप्रजधूर्वहाय नमः
617. निगुम्भशतनिर्दिष्टनिर्दुष्टाद्वैतपद्धतये नमः
618. सङ्क्षोपशारीरककृत्सर्वज्ञात्मार्षितासनाय नमः
619. नैष्कर्म्यसिद्धिकृद्भार्तिककृद्देवेश्वरान्तराय नमः
620. प्लुष्टटीकापञ्चपाटीपाठतोषितपद्मपदे नमः
621. उस्तामलकिताध्यात्मउस्तामलकलंसकाय नमः
622. बडुमन्दानन्दगिरितोटकप्रकटाग्रधिये नमः
623. यित्सुभाचार्यकूमात्मयर्याविज्यापिताश्रमाय नमः
624. उपदेशसहस्रादिप्रथितप्रकटाद्वयाय नमः
625. आम्नायाष्टकनिर्देशे नमः
626. मध्यमाम्नायनिष्ठिताय नमः
627. विजृम्भाष्टाध्वस्ततथागतपथागताय नमः
628. द्वारकामठनिर्मात्रे नमः
629. कालिकापीठकल्पकाय नमः
630. सिद्धेश्वरसपर्याकृते नमः
631. लङ्कालीप्रसादनाय नमः
632. छन्दोगाय नमः
633. कीटवारस्थाय नमः
634. गोमतीतीर्थसेवनाय नमः
635. स्वरूपब्रह्मचार्यार्यपद्मपादनिदेशकृते नमः
636. आश्रमिणे नमः
637. तत्त्वमस्यादिमहावाक्यार्थरूपवते नमः
638. ज्योतिर्भठकराय नमः

639. જયોતિષ્મતીપીઠનિદેશકૃતે નમઃ
640. બદર્યાશ્રમસંસ્થાનાય નમઃ
641. અલકનન્દાવગાહનાય નમઃ
642. આથર્વણાઙ્ગિરોવેદિને નમઃ
643. શ્રીપૂર્ણાગિરિસેવકાય નમઃ
644. ગોવર્ધનમઠીનાથાય નમઃ
645. ગિરિયોગપટાશ્રયાય નમઃ
646. પુરુષોત્તમસત્ક્ષેત્રિણે નમઃ
647. વિમલાપીઠકલ્પકાય નમઃ
648. શતાનન્દાય નમઃ
649. શતૌજસે નમઃ
650. દશેન્દ્રિયવિનિગ્રહાય નમઃ
651. શ્રીતુન્દિલિતદેશશ્રીઋશ્યશૃઙ્ગગિરિશ્રયિણે નમઃ
652. શારદાવચનખ્યાતવ્યાખ્યાપીઠાધિરોહણાય નમઃ
653. રામચન્દ્રપુરક્ષેત્રિણે નમઃ
654. તુઙ્ગભદ્રાતટાશ્રમિણે નમઃ
655. વરાહદેવતાસારશારદાહૃયશક્તિભૃતે નમઃ
656. ભૂરિવારિણે નમઃ
657. કૃષ્ણાયજુર્વેદિને નમઃ
658. શ્રીભારતીપદાય નમઃ
659. વિભાવકાધિષ્ઠાનસ્થમલહાનિકરેશદૃશે નમઃ
660. વિરૂપાક્ષમહાદેવમહનીયપદાશ્રયાય નમઃ
661. મનીષિમણ્ડલીમાન્યમૌલામ્નાયમહાગુરવે નમઃ
662. પ્રાચ્યપ્રતીચ્યાવાચ્યોદીચ્યામ્નાયાદિમદેશિકાય નમઃ
663. પ્રાચ્યામ્નાયસુવિન્યસ્તહસ્તામલકસંસ્તુતાય નમઃ

664. प्रतीच्याम्नायसन्देशनानन्दितसनन्दनाय नमः
665. अवाच्याम्नायनिक्षिप्तपृथ्वीधरनताङ्घ्रिकाय नमः
666. उदीच्याम्नायजनन्दानन्दगिर्यम्बिवन्दिताय नमः
667. कामकोटीपीठपतये नमः
668. कम्पावेगवतीयराय नमः
669. अेकाम्रनाथयरणसरोजतमधुप्रताय नमः
670. कामाक्षीयरणद्वन्द्वपादुकार्यनतत्पराय नमः
671. ऋग्वेदात्मने नमः
672. परब्रह्मव्यवस्थापनधीरधिये नमः
673. सत्यप्रतसमाभ्यातकाभ्यन्तरितविग्रहाय नमः
674. सर्वज्ञपीठाध्यारोल्लुप्तसार्वज्ञ्यसंशयाय नमः
675. सुरेश्वरादिसंस्थात्रसमाराधितपादुकाय नमः
676. भीमांसाद्वयपारीणाय नमः
677. काणादाक्षपदाध्वविदे नमः
678. द्वात्रिंशदायुःकलितत्रिःप्रदक्षिणभूतलाय नमः
679. आसेतुलिमशैलान्तधर्मस्थापनदेशिकाय नमः
680. विधावशीकृताशेषदेशविद्वज्जनार्जिताय नमः
681. जगद्गुरवे नमः
682. जगधोनये नमः
683. शास्त्रयोनये नमः
684. समन्वयिने नमः
685. स्पष्टास्पष्टब्रह्मलिङ्गिने नमः
686. साङ्ख्ययोगविमर्शकृते नमः
687. वैयाकरणाधीशोधिने नमः
688. वसिष्ठाय नमः

689. ककुब्भराय नमः
690. गौतमीयवयोमुद्रिणे नमः
691. वैशेषिकमहापलाय नमः
692. शौद्धोदनिमदोत्सादिने नमः
693. जैमिनीयकुट्टिहते नमः
694. द्विगम्भरनयान्तघ्नाय नमः
695. ध्वस्तपाशुपतक्रियाय नमः
696. शून्यात्मवादनिर्द्वे नमः
697. मित्रभागवतागमाय नमः
698. विनोदनिर्मितप्रौढन्यायगम्भीरभाष्यकृते नमः
699. व्याख्यातशुवयरिताय नमः
700. विश्वसृष्टिविशारदाय नमः
701. स्थितिसीमाविभागज्ञाय नमः
702. प्रलयार्थप्रकाशकाय नमः
703. संसारतत्त्वसङ्ख्यावते नमः
704. भायातत्त्वनिर्मुखाय नमः
705. समूलाविधकाध्यारोपोन्मूलनवियक्षायाय नमः
706. संसारतारणोपायसन्दर्शनपटिष्ठवाये नमः
707. रसिकाह्लादजनकमहावाक्ययमत्कृतये नमः
708. ध्वनिप्रधानामरुकशतश्लोकीमहाकवये नमः
709. ब्रह्मसूत्रब्रह्मशिभागीताप्रस्थानभाष्यकृते नमः
710. प्रत्यग्ब्रह्मैक्यबोधाध्वदर्शिने नमः
711. भोक्षाध्वदर्शकाय नमः
712. निरन्तरकृताम्नायशिरोनिगदशीलनाय नमः
713. वेदान्तवनह्यक्षाय नमः

714. तत्त्वज्ञानमहोदधये नमः
715. तरुणाय नमः
716. तरुणीदूराय नमः
717. तारापतिसमञ्जस्ये नमः
718. तारकब्रह्मतत्त्वज्ञाय नमः
719. तपस्विने नमः
720. तापसानुगाय नमः
721. तापत्रयविनिर्मुक्ताय नमः
722. नदिनोक्तिनिरासकृते नमः
723. अलङ्कृतिने नमः
724. अतिमान्यश्रियै नमः
725. आत्मविदे नमः
726. ब्रह्मवित्तमाय नमः
727. ब्रह्मण्याय नमः
728. ब्रह्मभूताय नमः
729. स्वाधिष्ठानाञ्जितकाञ्चिगाय नमः
730. कृतपुण्यस्थलीयात्राय नमः
731. उर्ध्वाभ्रायार्थतत्त्वविदे नमः
732. कैवल्यक्षेत्रविजयिने नमः
733. शुद्धमानसतीर्थकाय नमः
734. सुमेरुमूलसञ्चारिणे नमः
735. मायाशक्तिविभावनाय नमः
736. सत्यज्ञानाभिधाह्वानिने नमः
737. अभ्यासानन्दमूर्तिमते नमः
738. सोऽंशिवोऽंवाक्यश्रियै नमः

739. प्रत्यगाम्नायवेदनाय नमः
740. निरञ्जनेश्वरासेविने नमः
741. श्रीकराय नमः
742. सम्प्रदायभूते नमः
743. विधापीठमहायोगिने नमः
744. परमात्ममहाश्रयाय नमः
745. त्रिपुटीतीर्थविहृतये नमः
746. योगक्षेत्रद्विवाकराय नमः
747. श्रीविधाशक्तिजपनाय नमः
748. भन्त्रिणो नमः
749. सन्तोषनैगमिने नमः
750. परहंसपरिव्राजे नमः
751. श्रीसिद्धाभ्यव्रतयर्थभूते नमः
752. मातृकैकमहावाक्याय नमः
753. क्षेत्रज्ञाय नमः
754. अक्षरतः पराय नमः
755. निष्कलाम्नायनिरताय नमः
756. शान्तिदान्तियुताय नमः
757. चित्यै नमः
758. आनन्दपीठसंविष्टाय नमः
759. स्वानुभूतिपदाश्रयाय नमः
760. श्रद्धामैत्र्यादिनिर्ज्ञेयाय नमः
761. सख्यिन्मठसमाश्रयाय नमः
762. नमस्तीर्थाय नमः
763. नमोदर्शिने नमः

764. नमसे नमः
765. चिच्छक्तिचिन्तनाय नमः
766. प्राणवप्राणयिने नमः
767. नम्रिणे नमः
768. नन्दगोपजपूजकाय नमः
769. भूम्ने नमः
770. ब्रह्मानन्दनाम्ने नमः
771. कूटस्थाय नमः
772. अक्षराय नमः
773. षष्टिदाय नमः
774. पराक्प्रत्यगभिन्नाय नमः
775. सकलात्मने नमः
776. अकलाय नमः
777. पुरवे नमः
778. पुरुषाय नमः
779. पुष्कलाय नमः
780. पूर्णाय नमः
781. सत्तामात्राय नमः
782. पुरातनाय नमः
783. भोगयोगिने नमः
784. योगभोगिने नमः
785. भुवनात्मने नमः
786. वनेयराय नमः
787. भूतिकृते नमः
788. भूतिदाय नमः

789. भूताय नमः
790. भूरिशाय नमः
791. भूतभावुकाय नमः
792. यक्षभृते नमः
793. यक्षराज्यार्थसम्प्रदायप्रवर्तकाय नमः
794. यक्षिभूषणभूतात्मने नमः
795. यक्षपाणिनिषेविताय नमः
796. यक्षवर्तिशिरोभूषाशेषायितनभ्रच्छवये नमः
797. यामीकरीकृतामत्रदरिद्रब्राह्मणीगृहाय नमः
798. यतुरोदारगम्भीरवाक्यनिर्भरवादकृते नमः
799. यञ्जलाय नमः
800. यन्द्रयूडात्मने नमः
801. जितयम्पकनासिकाय नमः
802. यर्यिताशेषभूयस्कसञ्चारिमतसञ्जयाय नमः
803. यालिताद्वैतविज्ञानाय नमः
804. यराय नमः
805. यित्रिणे नमः
806. यिदम्भराय नमः
807. यीर्णसत्यप्रतस्थानयिरन्तनसुभासिकाय नमः
808. यूर्णितच्छात्रहृद्ग्रन्थये नमः
809. यूर्णपूर्णदुरास्यकृते नमः
810. प्रतिष्ठापकधौरेयाय नमः
811. प्रतिष्ठितमहायशसे नमः
812. प्रौढविज्ञानवादिस्थगर्वसर्वकृषोद्विताय नमः
813. नन्दिताशेषभूयारिणे नमः

814. यतिधर्मविमर्शकृते नमः
815. दर्शिताध्यात्मयाथात्म्याय नमः
816. सुधीसङ्घनिषेविताय नमः
817. नदीनदसरस्तीर्थाप्लावपावितविग्रहाय नमः
818. पण्डितप्रातपाण्डित्यप्रमोषणपटूद्विताय नमः
819. तत्पदार्थप्रकटनाय नमः
820. त्वम्पदार्थविवेककृते नमः
821. नित्यानन्दाय नमः
822. निरालम्बाय नमः
823. निरक्षाय नमः
824. निष्पिलेक्षकाय नमः
825. नित्यधिये नमः
826. नित्यसङ्कल्पाय नमः
827. निधिस्थाय नमः
828. निरविधकाय नमः
829. नित्यवासिने नमः
830. नित्यशुचये नमः
831. निर्लुब्धाय नमः
832. निगमारिघ्ने नमः
833. निरञ्जनाय नमः
834. नित्यपूज्याय नमः
835. नित्यमुक्ताय नमः
836. निरीश्वराय नमः
837. निष्कर्त्रे नमः
838. निष्कृतये नमः

839. निःस्वाय नमः
840. निष्काय नमः
841. निष्पिलवासम्बुवे नमः
842. पुरीशाय नमः
843. पूर्वगाय नमः
844. पुण्याय नमः
845. पूर्वनामिने नमः
846. पुरुप्रियाय नमः
847. विभ्यातवीर्याय नमः
848. विधेशाय नमः
849. श्रीविधाषोऽशीगुरवे नमः
850. लक्ष्म्यै नमः
851. लक्ष्याय नमः
852. लक्ष्मणाय नमः
853. लक्ष्मणाय नमः
854. लसत्पदाय नमः
855. ह्रीमते नमः
856. हंसगतये नमः
857. हंसाय नमः
858. हंसश्चेतहृदम्बुजाय नमः
859. हंसमन्त्रार्थतत्त्वज्ञाय नमः
860. हंसवर्णाय नमः
861. हरिप्रियाय नमः
862. हर्षार्मर्षसहाय नमः
863. हसकुशलाय नमः

864. હાનિવૃદ્ધિનુદે નમઃ
865. સભ્યાય નમઃ
866. સભાપતયે નમઃ
867. સ્વામિને નમઃ
868. સમ્ભૃતયે નમઃ
869. સમ્ભવાપહાય નમઃ
870. હીવેરશીતલસ્વાન્તાય નમઃ
871. હીમતીહારિતાત્મભાજે નમઃ
872. લક્ષિતાશેષમન્ત્રાર્થાય નમઃ
873. લક્ષકોટ્યાદનાયકાય નમઃ
874. લલિતાઙ્ગાય નમઃ
875. લયજ્ઞાત્રે નમઃ
876. લબ્ધસ્વાય નમઃ
877. લબ્ધહર્ષણાય નમઃ
878. કમ્બુકણ્ઠાય નમઃ
879. કલિધ્વંસિને નમઃ
880. કલ્યાણાત્મને નમઃ
881. કલધ્વનયે નમઃ
882. ભૂષિતાન્તર્વાણિયકાય નમઃ
883. ભૂગાય નમઃ
884. ભૂસુરસેવિતાય નમઃ
885. યાગવિદે નમઃ
886. યોગવિદે નમઃ
887. યુક્તાય નમઃ
888. યશોદાય નમઃ

889. यमप्रियाय नमः
890. ओङ्कारव्याहतिव्यग्राय नमः
891. नमितारातिमण्डलाय नमः
892. नागशैलशिरश्चारिणे नमः
893. रामगिर्याश्रमाश्रयाय नमः
894. वाञ्छितार्थप्रदाय नमः
895. शर्वाय नमः
896. अदीनाय नमः
897. भोदमेदुराय नमः
898. यतियर्याविवेकज्ञाय नमः
899. यतधिये नमः
900. यतभावनाय नमः
901. ओङ्कारिणे नमः
902. वितताद्वैतश्रुतिन्यायाय नमः
903. कृपानिधये नमः
904. यन्त्रे नमः
905. यतमनसे नमः
906. यम्याय नमः
907. यज्ञाङ्गाय नमः
908. यज्ञभूषणाय नमः
909. यज्ञाय नमः
910. यज्ञपतये नमः
911. यज्वने नमः
912. यज्ञभुवे नमः
913. यज्ञभावनाय नमः

914. कृपार्पितकरालम्भाय नमः
915. विध्वस्तविधये नमः
916. अएऽसुवे नमः
917. निष्पिलक्ष्मातलायार्याय नमः
918. पाषाणमत्तभ्रणनाय नमः
919. प्रतिष्ठापकमूर्धन्याय नमः
920. मताद्वयमहानयाय नमः
921. परिव्राजकधूर्वोद्रे नमः
922. अनन्तधुरे नमः
923. अन्तरान्तराय नमः
924. मुक्ताय नमः
925. मुकुन्दाय नमः
926. मध्यस्थाय नमः
927. मद्दूराय नमः
928. मनोमयाय नमः
929. शान्ताय नमः
930. शुभङ्कुराय नमः
931. शुक्राय नमः
932. शूराय नमः
933. शोकविवर्जिताय नमः
934. भिक्षवे नमः
935. तरक्षवे नमः
936. क्षमित्रे नमः
937. अक्षतये नमः
938. साक्षतार्यनाय नमः

939. राजराजार्जिताय नमः
940. रञ्जयाय नमः
941. रञ्जकाय नमः
942. रश्मिमते नमः
943. रमाय नमः
944. रमणाय नमः
945. रसवादिने नमः
946. रजताद्रिनिकेतनाय नमः
947. अस्थूलाय नमः
948. अनाएवे नमः
949. ह्रस्वाय नमः
950. मनवे नमः
951. मेधायै नमः
952. मलामनसे नमः
953. बहुपादाय नमः
954. बहुभुजाय नमः
955. बहुशीर्षाय नमः
956. बहुप्रियाय नमः
957. नान्तःप्रज्ञाय नमः
958. नप्रज्ञाय नमः
959. नबहिःप्रज्ञाय नमः
960. नाप्रज्ञाय नमः
961. प्रज्ञानघनाय नमः
962. विज्ञानात्मने नमः
963. विलासकृते नमः

964. प्रियाप्रियस्पर्शलीनाय नमः
965. अमृताय नमः
966. आकाशदेवते नमः
967. अत्भूमये नमः
968. अजलाय नमः
969. अनग्नये नमः
970. अवायवे नमः
971. अनम्बराय नमः
972. अग्राह्याय नमः
973. अद्रेश्यकाय नमः
974. अश्रोत्रे नमः
975. श्रोत्रे नमः
976. कर्त्रे नमः
977. अकर्तृकाय नमः
978. अगन्धाय नमः
979. अरसकाय नमः
980. अरुपाय नमः
981. अस्पर्शाय नमः
982. अशब्दाय नमः
983. शब्दभाजे नमः
984. मन्त्रे नमः
985. अमन्त्रे नमः
986. अनुमन्त्रे नमः
987. बोद्ध्रे नमः
988. अबोद्ध्रे नमः

989. प्रबोधकृते नमः
 990. ऐकाय नमः
 991. अनेकाय नमः
 992. केवलात्मने नमः
 993. सर्वस्मै नमः
 994. संसारमोयनाय नमः
 995. नित्यशुद्धाय नमः
 996. नित्यबुद्धाय नमः
 997. नित्यमुक्ताय नमः
 998. निराश्रयाय नमः
 999. षोडशविधात्मश्रेष्ठे नमः
 1000. भक्तहृत्पद्मभास्कराय नमः



श्रीमत्-शङ्कर-भगवत्पाद-सहस्रनामानि (अर्थसहितानि)

1. श्रीगुरुः — श्रीं कुருவே நமஸ்காரம்
2. शुद्धहृदयः — சுத்தமான ஹ்ருதயத்தை உடையவர்
3. श्रेयान् — உயர்ந்தவர்
4. शान्तः — (அவாக்கள்) அடங்கிய மனதை உடையவர்
5. द्यानिधिः — கருணையின் கருவூலமானவர்
6. दान्तः — புற புலன்களை அடக்கியவர்
7. तितिक्षुः — பொறுமை உடையவர்
8. चन्द्राभः — சந்திரன் போல் பிரகாசிப்பவர்

9. न्यस्तकर्मा — (ஸம்ஸாரிகளின்) செயல்களை விடுத்தவர்
10. समाहितः — மனதையும் புலன்களையும் ஸத்விஷயங்களில் நிறுத்தியவர்
11. यदुलः — அழகுற எப்பொழுதும் காரியங்களில் முற்பட்டவர்
12. यतचित्तः — மனதை அடக்கியவர்
13. श्रद्धाढः — (ஸாஸ்த்ரம் மற்றும் குரு வாக்கியத்தில்) நம்பிக்கை உடையவர்
14. चिरन्तनः — (தக்ஷிணாமூர்த்தி வடிவில் காலவரையறையற்றவராக முந்தையவர்களுக்கெல்லாம் குருவாக) தொன்றுதொட்டு இருப்பவர்
15. आपलः — (மக்கள் நல்வழியில் வரமாட்டார்களா என்ற) அவா கொண்டவர்
16. यतुरास्येयः — ப்ரஹ்மாவால் போற்றப்பட்டவர்
17. चरितव्रतकोविदः — விடாது நன்னடத்தையில் திறம்பட இருப்பவர்
18. यतुरः — திறமைசாலி
19. श्रुतिभौविस्थः — (வேதத்தின் உச்சியில்) வேதாந்தத்தில் (ஆசார்யனாக) நின்றவர்
20. शिवः — ஸிவனாரின் (அவதாரமானவர்)
21. शुद्धप्रबोधकः — தூயதை நன்கு போதிப்பவர்
22. वशी — (உணர்ச்சிகளை) தன் கட்டுக்குள் வைத்தவர்
23. विश्वेश्वरः — (மூல வடிவில்) உலகத்தை ஆள்பவர்
24. भुञ्जः — சிறந்தவர்
25. अमूढ्यः — மதிப்பிட முடியாதவர்
26. भूलकृत् — (அத்வைதத்தின்) மூல (பாஷ்ய நூல்களை) செய்தவர்
27. भृषी — யஜ்ஞங்களை (தான் காப்பாற்றவேண்டியவையாகக்) கொண்டவர்
28. भूर्धामिषिक्तः — தலைவராக பட்டாபிஷேகம் செய்விக்கப்பட்டவர்
29. सर्वेशः — அனைத்தையும் செய்யவல்லவர்
30. भद्रदेवः — பெரும் தேவன் (அல்லது பூதேவர்களுக்குள் சிறந்தவர்)
31. भदामदः — சுகமும் துக்கமும் (அனுபவிக்கும் ஸரீரமெனும் உபாதிக்கு உட்புகுந்தவர்)

32. ભવ: — உலக உற்பத்திக்கு காரணமானவர்
33. रुद्र: — அழுகையைப் போக்குபவர்
34. वरु: — (பாபங்களை) நீக்குபவர்
35. भूध: — கள்ளங்கபடமின்மை என்ற அழகை உடையவர்
36. शर्व: — (தோஷங்களை) அழிப்பவர்
37. वशान: — (உலகு) ஆள்வதை சுபாவமாகக் கொண்டவர்
38. वश्वर: — திறம்பட (உலகு) ஆள்வவர்
39. भलेश: — சக்தியுடையவர்களில் சிறந்தவர்
40. स्वस्तिकृत् — (பக்தர்களுக்கு) நலத்தை விளைவிப்பவர்
41. सुस्थ: — (ஆத்மா, மனஸ், இந்த்ரியங்கள்) ப்ரஸன்னமாக இருப்பவர்
42. स्थिर: — உறுதியாக இருப்பவர்
43. स्थानु: — அசைவற்ற (பரம்பொருளாக) இருப்பவர்
44. सुरार्थित: — தேவர்களால் போற்றப்படுபவர்
45. शाश्वत: — என்றும் இருப்பவர்
46. सौम्यवदन: — இனிமை மிகுந்த முகமுள்ளவர்
47. सिद्धयोगिनिषेवित: — ஸித்தர்களாலும் யோகிகளாலும் வணங்கப்பட்டவர்
48. सोम: — (கருணையாகிய) உமையுடன் இருப்பவர் (அல்லது) சந்த்ரனை (போல் உபதேச அமுதம் பொழிபவர்)
49. सुधास्वच्छतनु: — அம்ருதமயமான சுத்தமான உடலைக் கொண்டவர்
50. श्रीमान् — (ஞானமாகிய நீங்காத) செல்வம் உடையவர்
51. प्रेयान् — (பக்தர்களின்) மிகுந்த அன்பிற்குரியவர்
52. श्रुत्यति: — உலகுக்கு தலைவர்
53. श्रीकण्ठ: — (உலகைக் காக்க) விடமுண்ட கண்டன் ஆனவர்
54. श्रितवात्सल्य: — (பக்தர்களிடம்) அன்புகாட்டுவதில் நிலைத்தவர்
55. शाम्भव: — சிவனை வழிபடுபவர்

56. शङ्कराभिधः — சங்கர என்ற பெயர் கொண்டவர்
57. वीरः — (தர்மத்தைக் காப்பதில்) வீரர்
58. शुभविहारी — ஸஞ்சாரத்தால் மங்களத்தைப் பரப்புபவர்
59. शुद्धब्रह्ममूर्तिमान् — சுத்த பிரம்மத்தில் ஐக்கியமே தனது (உண்மை) வடிவமாக உடையவர்
60. अभिलः — முழு (பிரபஞ்ச வடிவினர்)
61. अभिलक्षण्यः — அனைத்து மந்திரங்களாலும் போதிக்கப்படுபவர்
62. भूतात्मा — (ஐம்) பூதங்களுக்கு உள்ளிருப்பவர்
63. भूतकृत् — (ஐம்) பூதங்களை உருவாக்கியவர்
64. विभुः — எங்கும் நிறைந்தவர்
65. आशुकृत् — (சிவனார் வடிவில் தேவர்களை அந்தந்த வடிவில் பிறக்கும்படி) கட்டளையிட்டவர்
66. अमरोद्योती — தேவர்களின் (நலனுக்காக) முயற்சி செய்பவர்
67. कलिभीतसुरार्थितः — கலிக்கு பயப்படும் தேவர்களால் (தக்ஷிணாமூர்த்தி வடிவில்) வேண்டப்பட்டவர்
68. गुह्येशी — முருகனை (குமாரில பட்டராக அவதரிக்கும்படி) உத்தரவிட்டவர்
69. गुह्येष्टी — (அவ்வப்போது மலை) குறைகளை இருப்பிடமாகக் கொண்டவர்
70. विष्णुब्रह्मनिदेशकृत् — விஷ்ணு ப்ரஹ்மா (இவர்களை ஸநந்தனர் மற்றும் ஸுரேச்வரராக அவதரிக்கும்படி) உத்தரவிட்டவர்
71. गुह्यः — (அஸத்துகளிடம் சொல்லத்தகாத) ரகசியமானவர்
72. गुह्येश्वरः — (ஹ்ருதய) குறையில் உறைபவர்
73. गूढः — (ப்ரஹ்ம வடிவில் அறியவொண்ணாது எவ்விடமும்) ஒளிந்திருப்பவர்
74. भूरिदः — அள்ளி வழங்குபவர்
75. भूतिकृत् — செல்வத்தை உருவாக்குபவர்
76. बुधः — அறிஞர்

77. भूभृक्षः — மலையில் ஸஞ்சரிப்பவர்
78. भूतिभृत् — (உலகில் தர்மமெனும்) செல்வத்தை பராமரிப்பவர்
79. भूभुक् — உலகைக் காப்பவர்
80. भूतेशः — ஜீவராசிகளுக்கு தலைவர்
81. भूतभावनः — ஜீவராசிகளை உருவாக்கியவர்
82. भद्रः — மங்களமானவர்
83. भव्यः — மனதிற்கினியவர்
84. भवभिषक् — பிறவிப்பிணிக்கு வைத்தியர்
85. भक्तपूज्यः — பக்தர்களால் பூஜை செய்யப்படுபவர்
86. पिनाङ्गभृत् — (சிவனார் வடிவில்) பிநாகம் (என்னும் வில்லை) தாங்கியவர்
87. भद्रलोभा — (ஸத்துக்களின்) மண்டலத்திற்கு ஆத்மாவாக இருப்பவர்
88. भद्रवाक् — இனியன மொழிபவர்
89. स्मितः — புன்னகை பூத்தவர்
90. भान्यः — மரியாதைக்குரியவர்
91. भृगुः — தேனையை (ஸாரமான ஆனந்தம் கொடுக்கும் பரம்பொருளானவர்)
92. भुनिः — மௌனமாக சிந்திப்பவர்
93. भ्रूलेशः — பேரொளிபடைத்தவர்
94. भ्रूतवाक् — பெருமைக்குரியன சொல்பவர்
95. अलङ्कारः — (பூமியை) அலங்கரிப்பவர்
96. अमलः — (முந்தைய பிறப்பில் சேகரித்து தீய எண்ணமாகிய) அழுக்கு இல்லாதவர்
97. अनलः — பாவமில்லாதவர்
98. अलः — (எளிமை மற்றும் கபடமின்மையில்) குழந்தை போன்றவர்
99. अवलैषामुक्तः — பெண்ணாசை அற்றவர்

100. आर्यभू: — (வெளிப்படையாகவும் ஸூக்ஷ்மமாகவும்) சான்றோரிடையே இருப்பவர்
101. आर्यसंश्रय: — சான்றோருக்கு அடைக்கலமாக இருப்பவர்
102. शीलि — சீலம் மிகுந்தவர்
103. शिवगुरुप्रेष्ठ: — சிவகுருவின் ப்ரிய (மகனார்)
104. आर्याभ्यासुप्रज्ञ — ஆர்யாம்பாவின் உயர்ந்த குழந்தை
105. शिव: — மங்களமானவர்
106. परात्पर: — அப்பாலுக்கும் அப்பாலாய் இருப்பவர்
107. त्रयस्त्रिंशत्कोटिदैवसुसन्नुत: — முப்பத்து முக்கோடி தேவர்களால் நன்கு வணங்கப்படுபவர்
108. उदारधी: — விசாலமான மனம் உடையவர்
109. सत्यरूप: — ஸத்ய வடிவினர்
110. कालटीजन्म: — காலடியில் பிறந்தவர்
111. अद्भ्य: — இரண்டற்றவர்
112. विधापति: — கல்விக்கு தலைவர்
113. पटु: — ப்ரஹ்மசாரியாக இருப்பவர்
114. वेध: — (த்யானத்தால்) அறிய வேண்டியவர்
115. चिन्मय: — சைதன்ய வடிவினர்
116. यूर्गिकप्रिय: — சூர்ணிகா (பூர்ணா என்னும் நதியில் பால்யத்தில்) களித்தவர்
117. श्रीमार्थितगार्दस्थ: — மதிப்பிற்குரிய அன்னையால் இல்லறம் (ஏற்கும்படி) வேண்டப்பட்டவர்
118. श्रेयोधी: — (இல்லறத்தை விட) உயர்ந்ததை மனதில் அசையாது கொண்டவர்
119. श्रितदेशिक: — ஆசார்யனை சரணடைந்தவர்
120. श्रीमुख: — (குரு முதன்முறை பார்த்தபோதே ஞானப்) பொலிவுடைய முகமுள்ளவராக (திகழ்ந்தவர்)
121. श्रीधर: — (அப்பொழுதே ஞான) லக்ஷ்மியைத் தாங்குபவராக (விளங்கியவர்)

122. शुष्मी — (உலகோருக்கு வழிகாட்டுவதற்கான) தேஜஸ்ஸைக் கொண்டவராக (குருவால் காணப்பட்டவர்)
123. शासिता — (சாஸ்த்ரத்தின்) உத்தரவை போதிப்பவர்
124. शुचिः — தூயவர்
125. उज्ज्वलः — (தேஜஸ்ஸால்) மிகவும் ஜ்வலிப்பவர்
126. साधुः — (பிறரின் நன்மையை) ஸாதித்துக்கொடுப்பவர்
127. स्थ्यान् — வலுவானவர்
128. संयियंसुः — துறவறம் பெற விரும்பியவர்
129. सरिद्युतविश्रुः — (பூர்ணா) நதியில் உடல் முழுவதும் நனைத்தவர்
130. ग्राह्यव्याजलब्धप्रसूसन्न्याससम्भतिः — முதலை பிடித்ததை வ்யாஜமாகக் கொண்டு தாயிடம் துறவறத்திற்கு அனுமதி பெற்றவர்
131. सन्यस्तः — (உடனே ஆபத்) ஸந்ந்யாஸம் பெற்றவர்
132. संयमी — புலன்களை அடக்கியவர்
133. प्रैषी — ஸந்ந்யாஸ மந்த்ரத்தை உச்சரித்தவர்
134. संसारत्यागतत्परः — ஸம்ஸார (வாழ்க்கையை) தியாகம் செய்வதில் முனைந்தவர்
135. अरिष्मान् — (துறவறத்தால் புதிய) பொலிவு பெற்றவர்
136. आत्माविन्दः — கோவிந்த (பகவத்பாதரை மனதினால் குருவாக) வரித்தவர்
137. प्रस्थितः — (குருவிருக்கும் இடம் நோக்கி) கிளம்பியவர்
138. प्राप्तसद्गुरुः — ஸத்குருவை சென்றடைந்தவர்
139. आमोदी — (குருவினால் சிஷ்யனாக) ஆமோதிக்கப்பட்டவர் / ஞான நறுமணம் கொண்டவர்
140. निगमान्तज्ञः — வேதாந்தத்தை அறிந்தவர்
141. एकानन्दरसात्मकः — ஒரே ஆனந்த ரஸமாக எப்போதும் இருப்பவர்
142. श्रीब्रह्मसूत्रव्याख्याता — ஸ்ரீ பிரம்ம சூத்திரத்திற்கு வியாக்யானம் எழுதியவர்

143. अकण्डः — ஒரே தண்டத்தை கொண்டவர்
144. कषायभृत् — காவியை உடுத்தியவர்
145. भक्तप्रपञ्चसञ्चारः — பக்தர்களாகிய உலகத்தோர் (தமக்கு) மாணவர்களாகக் கொண்டவர்
146. गोविन्दभगवन्प्रियः — கோவிந்த பகவத்பாதருக்கு பிரியமானவர்
147. हरिस्रक्षयारी — (அவரது பூர்வாச்ரம புத்ரராகிய பர்த்ரு)ஹரியின் சக மாணவர்
148. स्पृष्टगौडपदाम्बुजः — கௌட(பாதரின்) பாதங்களைத் தொட்டு (வணங்கியவர்)
149. मातङ्गश्रीमहादेवीयोक्तिस्थापितसन्मतः — மாதங்க மஹாராணியின் வேண்டுகோளின்படி (அந்த ராஜ்ஜியத்தில்) நல்தர்மத்தை ஸ்தாபித்தவர்
150. यतितीर्थादिपूर्यन्तसम्प्रदायप्रवर्तकः — யதிகளுக்கு தீர்த்த முதல் புரீ வரை (தசநாமி) ஸம்ப்ரதாயத்தை ஏற்படுத்தியவர்
151. बाह्यायज्ञवाक्वादी — (முதியவர் வேடத்தில் வந்த) வியாசருடன் வாதம் புரிந்தவர்
152. बहुशिष्यपरीवृतः — பல சிஷ்யர்களால் புடைசூழ்ந்தவர்
153. पद्मपादसनाथः — பத்மபாதரை (சிஷ்யனாக ஏற்று) பாதுகாத்தவர்
154. योगप्राप्तद्वारायलः — யோகத்தினால் ஹரனின் மலைக்கு (கைலாயத்திற்கு) சென்றவர்
155. आनीतलिङ्गकुलकः — (சிவனார் அளித்த) ஐந்து லிங்கங்களை எடுத்து வந்தவர்
156. आनन्दलहरीग्रहः — (ஸௌந்தர்ய லஹரியின் முன் பகுதியாகிய) ஆநந்தலஹரியை பெற்றவர்
157. केशरेशप्रतिष्ठाता — கேதாரில் முக்தி லிங்கத்தை ப்ரதிஷ்டை செய்தவர்
158. नेपालवरलिङ्गकृत् — நேபாளத்தில் வர லிங்கத்தை வைத்தவர்
159. काश्मीरादिक्षेत्रवासी — காச்மீரம் முதலான இடங்களில் வசித்தவர்
160. दुर्वादिमतभण्डनः — கெட்ட வாதங்களுடைய மதங்களை கண்டித்தவர்

161. श्रीऽस्तिगिरिनाथादिव्यक्षेत्रधरः — ஹஸ்திகிரி (விஷ்ணு காஞ்சி) முதலான
கேஷத்திரங்களுக்கு சென்றவர்
162. सुधीः — நல்லறிவு உள்ளவர்
163. रुद्धमष्टोक्तिरुद्धान्तः — (குமாரில) பட்டர் கூறிய (ஈசன் தேவையில்லை,
கருமமே பலனளிக்கும் என்ற) ஸித்தாந்தத்தைக் கட்டுப்படுத்தியவர்
164. जितमण्डनभारतिः — மண்டன மிசர் (மற்றும் அவரது பத்னியான)
பாரதியை வெற்றி கொண்டவர்
165. परकायप्रवेशामपाश्रयमलुगमः — பரகாய ப்ரவேசம் செய்து காம சாஸ்த்ர
நுணுக்கங்களை அறிந்தவர்
166. गुह्यनृसिंहसंस्तावलब्धधकराम्बुजः — (பரகாய ப்ரவேசத்தின் போது)
குஹ்யில் (ஒளிக்கப்பட்டிருந்த தமது இயல்பு உடலை சிலர் எரிக்க முயன்ற
போது) நரசிம்மரை வேண்டி எரிந்த தன் கரத்தாமரைகளை மீட்டுப்பெற்றவர்
167. सरस्वतीज्याध्यातयतीश्वरसुरेश्वरः — கலைவாணியை வெற்றிகொண்டு
ஸுரேஸ்வரரை துறவி ஆக்கியவர்
168. उस्तामलकसेव्याङ्घ्रिः — ஹஸ்தமலகரால் ஸேவிக்கப்பட்ட திருவடிகளைக்
கொண்டவர்
169. तोटकार्यसुसेवितः — தோடகாசார்யரால் நன்கு வணங்கப்பட்டவர்
170. चित्सुभोदङ्कसख्यात्रवन्दिताङ्घ्रिः — சித்ஸுகர் உதங்கர் (போன்ற)
நல்மாணவர்களால் வணக்கப்பட்ட திருவடியினர்
171. गुणाम्बुधिः — குணக்கடலானவர்
172. ध्यालब्धगिरीशात्मा — விருப்பப்படி (தனது மூல) சிவ வடிவம்
எடுக்கக்கூடியவர்
173. गौरीकान्तः — கௌரியை ஈர்த்தவர்
174. गुह्यतमः — உத்தமமான குரு
175. गुरुराजः — குருமார்களுக்கரசர்
176. गुह्यी — நல்ல குணம் உடையவர்

177. गेमा — (பக்தர்களைக்) காப்பவர்
178. गेपनः — (ரகசியங்களை) ஒளிப்பவர்
179. नराकृतिः — மனித வடிவம் கொண்ட (தெய்வம்)
180. निर्ममः — மமதையற்றவர்
181. नरकारतिः — நரகத்திற்கு எதிரி
182. नभ्यः — வணங்கத்தக்கவர்
183. नाथः — தலைவர்
184. निरञ्जनः — அப்பழுக்கற்றவர்
185. निस्स्पृहः — ஆசைகளை கட்டுப்படுத்தியவர்
186. निष्कलः — பகுக்க முடியாத (பிரமமே சொருபமானவர்)
187. नित्यः — என்றும் இருப்பவர்
188. नामरूपविवेकवान् — பெயர் உருவம் (இரண்டும் ப்ரஹ்மத்தைக் காட்டிலும் வேறு என்ற) விவேகம் உள்ளவர்.
189. नादिकः — பொய்யற்றவர்
190. निष्क्रियः — செயல்களுக்கப்பாற்பட்டவர்
191. नीरुद्ध — வலியற்றவர்
192. निराशीः — ஆசைகள் இல்லாதவர்
193. निरामयः — வியாதி இல்லாதவர்
194. निर्नितिः — (யாருக்கும் தலை) வணங்கத் (தேவை) இல்லாதவர்
195. निःस्वधाकारः — ஸ்வதா (என்று சொல்லி செய்யும் பித்ரு காரியம்) இல்லாதவர் (ஸந்ந்யாஸி)
196. निःस्वाङ्कित् — ஸ்வாஹா (என்று சொல்லி செய்யும் தேவ காரியம்) இல்லாதவர் (ஸந்ந்யாஸி)
197. निरीश्वरः — (தனக்கு மேற்பட்ட) ஈசனில்லாதவர்
198. नीरूपकः — உருவற்ற (பரம்பொருளானவர்)
199. निर्गुणः — குணமற்ற (பரம்பொருளானவர்)

200. निष्कर्मा — புண்ணிய பாபமற்ற (பரம்பொருளானவர்)
201. निर्व्यथः — துக்கமற்றவர்
202. वशी — வசீகரிப்பவர்
203. निर्दोषः — பற்றில்லாதவர்
204. नित्यपुष्टः — என்றும் வலுவானவர்
205. हृष्टः — உற்சாகமுள்ளவர்
206. तुष्टजनाश्रयः — திருப்தியான ஜனங்களால் ஆம்ரயிக்கப்படுபவர்
207. साक्षात्कारी — (ப்ரம்ம ஞான நிலையை) நேரடியாக அனுபவித்தவர்
208. सन्निधानः — (ப்ரம்ம ஞான நிலைக்கு) அருகில் சேர்ப்பிப்பவர்
209. सूरिः — தத்துவமறிந்தவர்
210. सायङ्मुखः — (அன்றன்று) மாலை (எங்குள்ளாரோ அங்கேயே இரவு தங்கும்) வீடாக கொண்டவர்
211. यमी — புலன்களை கட்டுப்படுத்தியவர்
212. सत् — உண்மை வடிவினர்
213. सात्वान् — உண்மை(பொருளான பகவானை) உபாஸிப்பவர்
214. सात्विकः — சத்வ குணம் நிரம்பியவர்
215. सभ्यः — கலாசாரம் நிரம்பியவர்
216. सर्वमित्रः — அனைவருக்கும் நண்பர்
217. स्मरान्तकः — காமனை அழித்தவர்
218. सशिष्यः — சிஷ்யர்களுடன் கூடியவர்
219. सद्ग्रही — (வேத தாத்பரியத்தை) ஸங்க்ரஹம் செய்தவர்
220. ज्ञायान् — மூத்தவர்
221. बली — சக்திமிக்கவர்
222. वाग्मी — வாக்கு வன்மை மிக்கவர்
223. मितोक्तिदृत् — அளவோடு பேசுபவர்

224. वायंयमः — பேச்சை அடக்கியவர்
225. परिष्ठः — மிக உயர்ந்தவர்
226. व्याख्यायिकापटुः — உரைகளை சரித்திரங்கள் (போல் அழகுற உருவாக்குவதில்) திறமிக்கவர்
227. परमः — எல்லாவற்றிலும் உயர்ந்தவர்
228. परिभूः — சுற்றிலும் இருக்கும் (பரம்பொருளானவர்)
229. प्रौढः — பக்குவமானவர்
230. प्राज्ञः — அறிவாளி
231. प्रीतः — மகிழ்வுடன் இருப்பவர்
232. प्रियंवदः — பிரியமாக பேசுபவர்
233. प्रातर्दी — (தோஷங்களை) அறவே ஒழிப்பவர்
234. दह्योऽग्नि — தஹர யோகம் அறிந்தவர்
235. प्रहः — வணங்கிய இயல்பினர்
236. प्रश्ननिःपटुः — கேள்விகளுக்கு (பதில்களை) நிரூபித்தவர்
237. पारङ्गतः — எல்லையை அடைந்தவர்
238. पाशमुक्तः — பாசத்திலிருந்து விடுபட்டவர்
239. परवित् — பரத்தை அறிந்தவர்
240. प्रत्यागिक्षिता — உள்நோக்கிய பார்வையுடையவர்
241. अधिष्ठानवित् — (ப்ரபஞ்சமாம் தோற்றத்திற்கு) ஆதாரத்தை அறிந்தவர்
242. अव्याजः — (அருள்மழைபொழிய) காரணமில்லாதவர்
243. अक्वादी — ஒரே இறை எனும் வாதத்தை கொண்டவர்
244. द्यासदः — இரட்டையை ஒப்பாதவர்
245. स्वभूः — தன்னில் நிலைத்தவர்
246. स्वराट् — (மோக்ஷ நிலையில் தன்னை ஆள பிறர் இல்லாது) தன்னைத் தானே ஆள்பவர்

247. विराट् — வியாபித்து ஆள்பவர்
248. मौनी — மௌனமாய் இருப்பவர்
249. स्वप्रकाशः — தானே ஒளிர்பவர்
250. स्वयम्भूः — (மற்றொருவரை எதிர்பாராமல்) தாமே திறமிக்கவர்
251. भट्ट — மேன்மை பொருந்தியவர்
252. अक्षुषः — உருவமில்லாதவர்
253. अव्यक्तः — (எளிதில்) விளங்காதவர்
254. परं ज्योतिः — மிகவும் உயர்ந்த ஜோதியானவர்
255. परं पद्म — மிகவும் உயர்ந்த பதவியானவர்
256. परं धाम — மிகவும் உயர்ந்த உறைவிடமானவர்
257. परा कला — மிகவும் உயர்ந்த எல்லையானவர்
258. परा शक्तिः — மிகவும் உயர்ந்த சக்தியானவர்
259. परा गतिः — மிகவும் உயர்ந்த கதியானவர்
260. परम् ओङ्कः — மிகவும் உயர்ந்த சேருமிடமானவர்
261. परं वस्तु — மிகவும் உயர்ந்த பொருளானவர்
262. परं ब्रह्म — மிகவும் உயர்ந்த பிரம்மமானவர்
263. परं पुरः — மிகவும் உயர்ந்து முன்னின்றவர்
264. पराध्वजः — மிகவும் உயர்ந்ததை அடைவிப்பவர்
265. परो भावः — மிகவும் உயர்ந்த த்யானவிஷயமானவர்
266. प्रशान्तात्मा — மிகுந்த சாந்தமே சொருபமானவர்
267. प्रसादकः — திருப்தி செய்பவர்
268. प्रज्ञानधनमूर्तिः — ஞானம் தவிர வேறற்ற மூர்த்தியானவர்
269. प्रशास्ता — வழிநடத்திச் செல்பவர்
270. प्रत्यार्थवान् — உள்ளிருக்கும் பொருளை அறிந்தவர்
271. विज्ञाता — நுண்ணிய அறிவுடையவர்

272. विश्वकृत् — உலகை உருவாக்கியவர்
273. वेधा: — உலகின் (ஒவ்வொரு அம்சங்களையும்) அமைத்தவர்
274. वेदवेधस्ववैभव: — வேதத்தினால் மட்டும் அறியத்தக்கதும் தன்னிடம் மட்டும் உள்ளதுமான (தனிப்) பெருமையை உடையவர்
275. सत्यप्रत: — சத்தியத்தை விரதமாக கொண்டவர்
276. सत्यपर: — சத்தியத்துக்கு அர்ப்பணமானவர்
277. त्रिसत्य: — மூன்று காலத்துக்கும் சத்தியமானவர்
278. सत्यनायक: — சத்தியத்திற்கு நாயகன்
279. सत्यप्रतिष्ठ: — சத்தியத்தின் அடிப்படையில் (செயல்படுபவர்)
280. सत्याशी: — சத்தியமான வாழ்த்துகள் வழங்குபவர்
281. सत्यार्थप्रेरक: — சத்திய ப்ரயோஜனமுடைய காரியங்களை ஊக்குவிப்பவர்
282. सम: — (அனைத்தையும்) ஸமமாக பார்ப்பவர்
283. धक्षिता — (அனைத்தையும்) கவனித்துக்கொண்டிருப்பவர்
284. सखिदानन्दस्वरूप: — சத்சித் ஆனந்த வடிவானவர்
285. सदसत्पर: — ஸத் அஸத் (இரண்டையும் பிரிப்பதில்) முனைந்தவர்
286. सत्यरूप: — சத்தியமே வடிவானவர்
287. सत्यसंस्थ: — சத்தியத்தில் நன்கு நிலைத்தவர்
288. नगेश: — (சிவனார் வடிவில்) மலைக்கு ஈசன்
289. छात्रमानित: — மாணவர்களால் கொண்டாடப்படுபவர்
290. नारदादिनृत: — நாரதர் முதலியவரால் மிகவும் போற்றப்பட்டவர்
291. नम्र: — (பகவானை) வணங்கும் சுபாவமுடையவர்
292. नारीनरनवाकृति: — பெண்களோ ஆண்களோ (கண்டிராத) அபூர்வ வடிவினர்
293. व्यासजैमिनिवावादी — வியாசர் ஜைமினி ஆகியோருடன் வாதம் புரிந்தவர்
294. शारदाविजयी — சாரதையை வென்றவர்
295. शमी — அடக்கம் கொண்டவர்

296. सुरेश्वराचार्यदत्तस्वाश्रमः — ஸுரேஸ்வராசார்யருக்கு தனக்கு (நிகரான ஸந்ந்யாஸ) ஆஸ்ரமத்தை கொடுத்தவர்
297. सूरिकेसरी — சிந்தனையாளர்களில் சிம்மம்
298. अङ्कितादिप्रात्यङ्ग्यदूरवैदिकवर्त्मकृत् — (சூட்டினால்) முத்திரைகள் தரித்துக்கொள்வது போன்ற சாஸ்த்ரம் தடுத்த செயல்கள் அறவே அற்ற வைதிகமாக பாதையை அமைத்தவர்
299. कुक्षानलकूटस्थकुमारिलकृतानतिः — உமித்தீக்கூட்டத்தின் இடையே இருந்த குமாரில் (பட்டரால்) வணங்கப்பட்டவர்
300. कुतर्ककक्षक्षमाभृत्कुलिशः — கடினமான மலைகள் போன்ற துஷ்ட வாதங்களை (அழிக்கும்) வஜ்ராயுதமானவர்
301. कविकेसरी — கவி இயற்றுவதில் சிம்மம்
302. कुवादिमदभत्तेभपञ्चास्यः — மதம் பிடித்த யானைகள் போன்ற துர்வாதிகளை (வீழ்த்தும்) சிங்கம் போன்றவர்
303. कलिनाशनः — கலியை நாசம் செய்பவர்
304. योगरोगदुरः — யோகத்தால் நோயை நீக்கியவர்
305. साङ्ख्यसङ्ख्यावान् — ஞான (பாதையை) திரிபற அறிந்தவர்
306. अमितधृतिः — அளவற்ற பொலிவுடையவர்
307. जितजैनप्रतिष्ठमस्तम्भनोऽध्यात्ममनुः — ஜைனர்களின் இடைஞ்சல்கள் மற்றும் ஸ்தம்பன உச்சாடனங்களுக்கான மந்த்ரங்களை முறியடித்தவர்
308. वैशेषिकविशेषोक्तिविशेषाविशेषाः — வைசேஷிகர்களின் முக்கியமான கூற்றுகள் வறண்டுபோகும்படி செய்வதில் நிபுணர்
309. निरस्तद्वैतिमूर्धन्यशैवभावतागमः — தலையாய த்வைதிகளாகிய சைவர்கள் மற்றும் பாகவத மதத்தவர்களின் ஸாஸ்த்ரத்தை நிராகரித்தவர்
310. काञ्चीनगरनिर्मातराजसेननृपार्षितः — காஞ்சீபுர நகரத்தை (ஆசார்யாளின் ஆஜ்ஞைப்படி மீண்டும்) நிர்மாணம் செய்துகொடுத்த ராஜஸேனன் என்ற அரசனால் பூஜிக்கப்பட்டவர்
311. वरदालयनिर्माता — (ராஜஸேனன் மூலம்) வரதர் ஆலயத்தை (புனர்)நிர்மாணித்தவர்

312. **એકામ્રનાથપદોદ્ધર:** — ஏகாம்ரநாதரின் இருப்பிடத்தை (ஜீர்ண) உத்தாரணம் செய்(வித்)தவர்
313. **गुहस्थचित्कलायाऽऽद्यभूतः** — (காமாக்ஷி மூலஸ்தானமாகிய பிலாகாச) குஹையில் இருந்த ஜீவகலையின் உக்ரத்தை நீக்கியவர்
314. **कालभूतः** — (சிவனார் வடிவில்) காலனையே கண்டித்தவர்
315. **कामकोष्ठधराक्षिः** — காமகோஷ்டம் (என்ற புண்ய) பூமியை தன் விளையாட்டு இடமாக கொண்டவர்
316. **कामकोटिपटाश्रयः** — (காமாக்ஷியாம்) காமகோடியின் பாதங்களை ஆஸ்ரயித்தவர்
317. **कामाक्षीवरिवस्याकृत्** — காமாக்ஷிக்கு (பலவித) சேவைகளை செய்தவர்
318. **कालहस्तीश्वरार्चनः** — காலஹஸ்தீஸ்வரரை பூஜித்தவர்
319. **कूमसोपानसुप्रापशेषायलशिरःपटः** — மேஷாசலத்தின் உச்சியை எளிதில் அடைய அனுகூலமான படிக்கட்டை அமைக்கச்செய்தவர்
320. **दिव्यः** — தெய்வீகமானவர்
321. **दिव्यद्भ्रमवर्चसे नमः** — தெய்வீக பிரம்ம வர்சஸ் உடையவர்
322. **दीनरक्षी** — தீனர்களை காப்பவர்
323. **दरापटः** — அல்பத்தனத்தை நீக்குபவர்
324. **देवदेवः** — தேவர்களுக்கும் தேவர்
325. **दीनबन्धुः** — தீனர்களுக்கு உறவினர்
326. **दयितः** — அன்பிற்குரியவர்
327. **दीनदैन्यहृत्** — தீனர்களின் தீனத்தன்மையைப் போக்குபவர்
328. **दोषदूरः** — தோஷங்களிலிருந்து தூரத்திலிருப்பவர்
329. **दुष्टरिपुः** — துஷ்டர்களுக்கு எதிரி
330. **दुर्वासःश्लाघितः** — துர்வாசரால் சிலாகிக்கப்பட்டவர்
331. **अदरः** — அல்பத்தனம் இல்லாதவர்
332. **द्रविष्ठाधेषष्ठाभ्याग्नी** — பொருள் முதலியவற்றில் ஆசையை விட்டவர்

333. **दोषज्ञः** — குற்றங்களை (விலக்குவதற்காக அவற்றை) அறிந்தவர்
334. **दूरदर्शनः** — தொலைவில் உள்ளவற்றை காண்பவர்
335. **दीर्घदर्शी** — (வருங்காலத்தை) வெகுமுன்பே பார்க்கவல்லவர்
336. **दैःस्थदूरः** — மோசமான நிலையை அகற்றுபவர்
337. **दरिद्र्यदमनः** — ஏழ்மையை கட்டுப்படுத்துபவர்
338. **दयी** — தயை உடையவர்
339. **दलिताशेषधीदोषः** — புத்தியில் உள்ள குறைகளை மிச்சமில்லாமல் சிதைப்பவர்
340. **विस्तृताद्वैतवैभवः** — அத்வைதத்தின் வைபவத்தை விஸ்தாரம் செய்தவர்
341. **क्षेत्राटनकमभ्रान्तकृत्स्नभारतमण्डलः** — கேஷத்ராடன முறைப்படி முழு பாரத மண்டலத்தையும் சுற்றியவர்
342. **कैलाससेवी** — கைலாசத்தை சேவித்தவர்
343. **बदरीनारायणपिपादश्रयः** — பத்ரிநாராயணரின் பாதங்களை ஆசிரயித்தவர்
344. **कामरूपार्थनः** — காமரூபம் (அஸ்ஸாமில் உள்ள தேவியை) அர்ச்சித்தவர்
345. **अकामः** — காமம் இல்லாதவர்
346. **काश्मीरेश्वरसेवकः** — காச்மீரத்தில் ஈசனுக்கு சேவை செய்தவர்
347. **अवन्तीद्वारकायोध्यामायाकाञ्चीमण्डिप्रियः** — அவந்தீ த்வாரகா அயோத்யா மாயா காஞ்சீ ஆகிய கேஷத்ரங்களை விரும்பியவர்
348. **कालीघट्टद्वारजम्बुदेवीप्रयागः** — காளிகட்டம், ஹரித்வார், ஜம்பு (ஜம்மு) தேவி, பிரயாகை ஆகியவற்றுக்குச் சென்றவர்
349. **श्रीशैलेशजगन्नाथपुरुषोत्तमभिगः** — ஸ்ரீசைல ஈசன், ஜகந்நாதம், புருஷோத்தமம், பீம் (சங்கர கேஷத்ரங்களுக்கு) சென்றவர்
350. **अम्बकोज्जयिनीविन्ध्यवासिनीसेवनापरः** — தர்யம்பகம், உஜ்ஜயினி, விந்த்யவாசினி (கேஷத்ர தெய்வங்களை) ஆர்வத்துடன் வணங்கியவர்
351. **सेतुकन्याकुमारीगः** — சேது, கன்யாகுமரி (கேஷத்ரங்களுக்கு) சென்றவர்

- 58

365. चिदम्बरसभान्यस्तमोक्षदिङ्: — சிதம்பர ஸபையில் மோக்ஷ லிங்கத்தை வைத்தவர்
366. அதிङ்க: — (ப்ரஹ்ம ஸ்வரூபமாக) தனிப்பட்ட அடையாளம் இல்லாதவர்
367. ऋश्यशृङ्गाश्रमन्यस्तमोक्षदिङ्: — ருஷ்யசிருங்கர் ஆச்ரமத்தில் போக லிங்கத்தை வைத்தவர்
368. ऋतम्भरी — (உலகெங்கும் பரவியிருக்கும் ஸத்யத்தை அறிவதற்கான) ருதம்பரா (ப்ரஜைஞ் எனப்படும் ஞானத்தை) கொண்டவர்
369. शारदामान्यसन्देश: — சாரதையால் மதிக்கப்பட்ட (நீ பூமியில் ஆங்காங்கு இருந்து மக்களுக்கு அருள வேண்டும் என்ற) வேண்டுகோளை விடுத்தவர்
370. सर्वज्ञ: — எல்லாம் அறிந்தவர்
371. सर्वपापनुत् — எல்லா பாபங்களையும் நீக்குபவர்
372. शारदामण्डसङ्क्षुभशारदपीठपावन: — சாரதையின் நிற்பிடத்தில் சாரதா பீடத்தை நிறுவி பவித்ரமாக்கியவர்
373. शारदस्थापनापूतऋश्यशृङ्गगिरिस्थल: — சாரதையை ஸ்தாபித்ததால் ருஷ்யச்ருங்ககிரியை சிறப்படையச்செய்தவர்
374. अशरीरवयोव्यूढकामकोटिमण्डस्थिति: — அசரீரியின் சொல்படி காஞ்சி மடத்தை நிறுவி வளர்த்தவர்
375. कामकोटिमण्डपीठमध्यदृश्यमण्डमणि: — காமகோடி மஹா பீடத்தில் காணப்பட்ட பெரிய மணியைப் போன்றவர்
376. कालघ्न: — (சிவனார் வடிவத்தில்) யமனை அடக்கியவர்
377. कामधुक् — விரும்பிய (பலன்களை) அளிப்பவர்
378. कान्त: — அன்பிற்குரியவர்
379. शारदशैत्रविक्षुभ: — சாரதையையே ஜயிக்கும் வாக்கை வாயில் கொண்டவர்
380. कामकोटिधरागोष्ठी — காமகோடி பூமியை தனது கொட்டில் போல் (இருப்பிடமாக) கொண்டவர்
381. कर्मन्दिकुलशोभर: — யதிகளின் குழாமுக்கு தலையாயவர்

382. शिष्यसङ्घपरज्ञानप्रतीदोद्घप्रदः — சிஷ்யர்கள் கூட்டத்திற்கு பர (வஸ்துவின்) ஞானமாகிய கொடி (வளருவதற்கான) ஊட்டச்சத்தை அளிப்பவர்
383. மஹாயமஹாயசேதுகேரலதர்மகூத் — மடங்களின் ஆம்நாய (ஸம்ப்ரதாயங்களைத் தெரிவிக்கும்) பெரியதான ஆம்நாய ஸேது என்ற கேரள (தேசத்தில் ப்ரஸித்தமான?) நூலை யாத்தவர்
384. புர்யந்தீர்த்தமுபசிஷ்யா஑மவिवेचनः — தீர்த்த முதல் புரீ வரையிலான சிஷ்ய ஸம்ப்ரதாயங்களைப் பாகுபடுத்தியவர்
385. आनन्देन्द्राभिधापूर्वसरस्वत्याख्यागमः — (அதில்) ஸரஸ்வதீ என்பதற்கு முன்பு ஆநந்த இந்திர (என்ற இரு) பதங்களும் (தனித்தனியே பயன்படுத்தப்படுவதற்கு முறையையும்) (வகுத்தவர்)
386. आनन्दमयजानन्दिवाञ्छयभ्यातवाक्ष्यदः — ஆநந்தமய (அதிகாரண தெளிவாக்கத்தால் லௌகிக) ஆநந்தமே ப்ரஹ்மம் (என்று சொல்பவர்களை) ஜயித்து புகழ்பெற்ற சொல்லாண்மையை உடையவர்
387. योगेश्वरार्थानिरतः — யோகேஸ்வரரை ஆராதிப்பதில் முனைந்தவர்
388. योग्यः — யோக்யதை உடையவர்
389. योगविदां वरः — யோகம் அறிந்தவர்களில் சிறந்தவர்
390. सुस्थितः — சௌக்கியமாக இருப்பவர்
391. सुस्थिरः — அசைக்க முடியாதவர்
392. सिन्धः — மென்மையானவர்
393. स्थानुः — அழியாதவர்
394. स्थोमा — உறுதித்தன்மையே (வடிவமானவர்)
395. स्थितिप्रदः — (தன் சுய) நிலையில் (உறுதியாக நிற்கும் தன்மையை) அருள்பவர்
396. सत्यप्रतपदप्राप्तब्रह्मभावः — (அவதார இறுதியில்) ஸத்யவ்ரதம் (எனப்படும் காஞ்சீ) க்ஷேத்ரத்தில் ப்ரஹ்மத்தில் ஒன்றியவர்
397. अशरीरवान् — உடலற்றவர் (உடலில் அபிமானம் அற்றவர்)

398. **दुस्तरापासंसारपास्तारादृत्तरि:** — தாண்டுவதற்கரியதான எல்லையற்ற(தாகத் தோன்றும்) ஸம்ஸாரத்தின் எல்லைக்கு சேர்ப்பிக்கும் படகானவர்
399. **कृत्तारिवर्गसंशान्तस्वान्तलक्ष्यस्ववैभव:** — (காமம் க்ரோதம் முதலிய) எதிரிக்கூட்டங்களை அறுத்ததால் சாந்தமடைந்த மனதினால் (ப்ரஹ்ம ஸ்வரூபமாகிய) தன் பெருமையை அறியக்கூடியவர்
400. **अनातुर:** — சோர்வில்லாதவர்
401. **अतुलित:** — ஒப்பிட முடியாதவர்
402. **सद्धत:** — நன்னடத்தை உடையவர்
403. **साधुदर्शन:** — தரிசனம் செய்ய உகந்தவர்
404. **षड्दर्शनीपारदृष्ट्या** — (ந்யாயம் முதலிய) ஆறு தரிசனங்கள் (என்ற சாஸ்த்ரங்களில்) கரைகண்டவர்
405. **षडध्वातीतमानस:** — (வர்ணம் பதம் முதலியதாக உபாஸனா ஸாஸ்த்ரங்களில் சொல்லப்படும்) ஆறு பாதைகளையும் கடந்த (ப்ரஹ்மத்தில் ஒன்றிய) மனதை உடையவர்
406. **अदोष:** — குற்றமில்லாதவர்
407. **दुर्जय:** — வெல்ல இயலாதவர்
408. **अदून:** — தாபப்படாதவர்
409. **दुर्धर्ष:** — மிரளச்செய்யவியலாதவர்
410. **अपुनर्भव:** — மீண்டும் பிறவாதவர்
411. **शुद्ध:** — சுத்தமானவர்
412. **बुद्ध:** — தன் சொரூபத்தை அறிந்தவர்
413. **प्रबुद्धात्मा** — விழிப்படைந்த ஆத்மாவானவர்
414. **सिद्ध:** — (பிறவி) பயன்பெற்றவர்
415. **प्रेक्ष:** — பலமான (ஞான) ப்ரகாசமுடையவர்
416. **समुद्धर:** — ஆபத்துகளில் இருந்து மீட்டெடுப்பவர்
417. **समिद्ध:** — (சம தமாதி குணங்களால் ஞானத்தீ) நன்கு ஓளிரப்பெற்றவர்

418. प्रतिभाविद्धः — (சமயோசித புதிய யோசனைகள் வரக்கூடிய) அறிவுக்கூர்மை நிறைந்தவர்
419. सारज्ञः — சாரத்தை அறிந்தவர்
420. सर्वशास्त्रवित् — எல்லா சாஸ்த்ரங்களையும் அறிந்தவர்
421. सुधास्वादुव्याः — அமுதமனைய இனிய மொழியினர்
422. सूक्ष्ममतिः — சூக்கும அறிவுள்ளவர்
423. मोक्षतमोरविः — மோகமென்னும் இருளுக்கு சூரியன் போன்றவர்
424. भद्रायशः — பெரும் புகழ்கொண்டவர்
425. भद्रशीलः — பெரும் ஒழுக்கத்தை கொண்டவர்
426. भद्रौजः — பெரும் காரியத்திறன் பெற்றவர்
427. भद्रामुनिः — பெரும் முனிவர்
428. भद्रनीयः — மதிக்கத்தக்கவர்
429. भद्रसत्त्वः — பெரும் (ஆத்ம) பலத்தை கொண்டவர்
430. माननाईः — மரியாதைக்கு உரியவர்
431. भद्रार्थवित् — பெரும்பொருளை அறிந்தவர்
432. मायातत्त्ववित् — மாயா தத்துவத்தை அறிந்தவர்
433. अव्यग्रः — பதட்டமில்லாதவர்
434. भृमिभक्षपक्षिः — பூ மண்டலத்தில் (தலைசிறந்த) பண்டிதர்
435. मातृकृत्यासाधकर्मशमकेरलभूसुरः — தாயாரின் க்ருத்யத்திற்கு ஒத்தாசை செய்யாத கேரள ப்ராஹ்மணர்களுக்கு சாபம் அளித்தவர்
436. यथाप्रतिश्रवायीर्ऋतमातृप्रतिश्रुतिः — நினைத்தவுடன் (வருவேன் என்ற) தாயிடம் செய்த ப்ரதிஜ்ஞையை சொல்லியவண்ணம் செய்தவர்
437. रवीन्दुदृक् — (சிவனார் வடிவில்) ஸூர்யனையும் சந்த்ரனையும் கண்களாகக் கொண்டவர்
438. दोर्मन्थोत्थाग्निसन्दीपिताम्बिकः — தோளைக் கடைந்ததால் உருவான அக்னியால் தாய்க்கு தீயளித்தவர்

439. रसज्ञः — ரஸமான (பரம்பொருளை) அறிந்தவர்
440. रसिताम्नायः — வேத ஸாஸ்த்ரங்களின் சுவையை அறிந்தவர்
441. रागद्वेषदरः — ஆசை துவேஷம் ஆகியவற்றை நீக்குபவர்
442. भट्ट — மகத்தானவர்
443. राजयोगी — ராஜ யோகி
444. आमकामः — விரும்பியதை அடைந்தவர்
445. निराशः — ஆசைகள் இல்லாதவர்
446. मातृवत्सलः — அன்னை போன்ற அன்புடையவர்
447. कामतन्त्रकलाभ्यर्थकायान्तरनिवेशनः — காம ஸாஸ்த்ர கலையை அறிய (ஒரு இறந்த அரசனின் சரீரத்தில்) பரகாய ப்ரவேசம் செய்தவர்
448. काव्यरत्नविनिर्मात्रालब्धोदात्तकविप्रथः — (அவ்வடிவில்) சிறந்த காவ்யத்தை நிர்மாணித்ததால் உயர்ந்த கவி என்ற புகழைப் பெற்றவர்
449. माधुर्यधुर्यङ्गितिः — இனிமையில் முன்னிற்கும் சொற்களைக் கொண்டவர்
450. मधुराधीशमानितः — மதுரையை (ஆண்ட) அரசனால் மதிக்கப்பட்டவர்
451. ज्योतिःपुरेशविनुतः — ஜ்யோதிபுரத்தின் அரசனால் வணங்கப்பட்டவர்
452. पारेजयपुरस्थितिः — ஜயபுரத்துக்கு அப்பாலும் வசித்தவர்
453. विरूपाक्षस्थलासेवी — விருபாக்ஷ தலத்தில் நெடிது தங்கியவர்
454. विजयाभ्यपुरीयरः — விஜயபுரத்திற்கு (விஜயம்) செய்தவர்
455. विदिशादेशविहतिः — விதிஸா தேசத்தில் மகிழ்ந்திருந்தவர்
456. विश्वनाथपदप्रियः — விஸ்வநாதபுரியான (காசியை) விரும்பியவர்
457. पाटलीपुत्रसंस्थानः — பாடலிபுத்திரத்தில் தங்கியவர்
458. विष्णुपादप्रसेवनः — (கயா) விஷ்ணுபாதத்தை நன்கு சேவித்தவர்
459. गयावटद्रुमूलस्थः — கயாவில் ஆலமரத்தடியில் தங்கியவர்
460. भद्रायलनिर्द्धीः — பத்ராசலத்தில் ஆழ்ந்த அபிமானமுள்ளவர்
461. वृन्दावनान्तसञ्चारी — பிருந்தாவன பகுதியில் சஞ்சரித்தவர்

462. व्यासायलबिलाश्रयः — வ்யாஸாசல குஹையையும் அண்டியவர்
463. ओङ्कारकुण्डविहतिः — ஓங்கார குண்டத்தில் மகிழ்ந்திருந்தவர்
464. भल्लिकार्जुनमग्निः — மல்லிகார்ஜுனத்தில் ஆழ்ந்துள்ள மனத்தினர்
465. श्रीपञ्चनद्यञ्चास्यशिष्यपुत्रनिषेवितः — திருவையாற்றில் சிவபெருமானின் அடியார்கள் குழுவினால் வணங்கப்பட்டவர்
466. अङ्गोबिलगुहाराभः — அஹோபில குகையில் ஓய்வெடுத்தவர்
467. कमलाक्षः — தாமரைக்கண்ணர்
468. कलानिधिः — கலைகளுக்கு இருப்பிடமானவர்
469. कविध्वंसी — கலியை துவம்சம் செய்பவர்
470. कामरूपः — தன்னிச்சையில் உருவை மாற்றிக்கொள்ளக்கூடியவர்
471. काम्यारः — விரும்பிய இடத்திற்கு செல்லவல்லவர்
472. कलामयः — கலைகளே வடிவமானவர்
473. परमेष्ठी — பரம்பொருளில் நிலைத்தவர்
474. वशप्राणः — ப்ராணனை வசப்படுத்தியவர்
475. कामाक्षीसेवनोत्सुकः — காமாக்ஷியை சேவிக்க விரும்பியவர்
476. प्राणदः — உயிர் அளிப்பவர்
477. प्राण्यी — அன்பிற்குரியவர்
478. पुष्टः — வலுவானவர்
479. सर्वतन्त्रस्वतन्त्रधिः — எல்லா சாஸ்த்ரங்களிலும் ஸ்வதந்த்ரமாக ஸஞ்சரிக்கவல்ல புத்தியைக் கொண்டவர்
480. स्वतन्त्रात्मा — ஆத்ம தளைகளற்றவர்
481. नास्तिकान्तकृत् — நாஸ்திகர்களுக்கு முடிவுகட்டியவர்
482. प्रधिः — மிக்க புத்திமான்
483. आसनाध्ववित् — (யோக) ஆஸன மார்க்கத்தை அறிந்தவர்
484. दग्धक्षपणकोत्सेधः — ஜைனர்களின் அத்துமீறல்களை பொசுக்கியவர்

485. दक्षिण्यनिधिः — பெருந்தன்மைக்கு இருப்பிடமானவர்
486. अक्षतः — பாதிக்கப்படாதவர்
487. दक्षः — சாமர்த்தியமானவர்
488. दक्षिणदिक्क्षिपः — தென் திசையிலிருந்து (வந்த) ஸித்தர்
489. कालत्रयवित् — முக்காலமும் அறிந்தவர்
490. आस्तिकः — இறை நம்பிக்கையாளர்
491. आदेशा — கட்டளை பிறப்பிப்பவர்
492. अपौरुषः — சாதாரண மனிதனினும் அதிக சக்தி உடையவர்
493. ध्वस्तकापालिकमतकम्: — காபாலிக மத வழிமுறைகளை த்வம்ஸம் செய்தவர்
494. कामिनीविभुषः — (லௌகிக) ஆசைகளில் ஈடுபட்ட பெண்களிடம் பாராமுகமானவர்
495. काम्यः — நண்பனாக கருதத்தக்கவர்
496. कर्मवृत् — கர்மானுஷ்டானங்களின் பலனை எதிர்பாராதவர்
497. कर्मज्ञः — கர்மானுஷ்டானங்களுக்கு ஹிதமானவர்
498. कृती — செய்யவேண்டியவற்றை செய்துவிட்டவர்
499. कल्याणगुणशीलः — கல்யாண குணங்களை உடையவர்
500. क्रियामुक्तः — செயல்களிலிருந்து விடுபட்டவர்
501. कृपाधनः — கிருபையால் நிறைந்தவர்
502. कीर्तिमान् — புகழுடையவர்
503. कृतयोगेशपूजात्रातशगुञ्जनः — யோக லிங்க பூஜையை செய்தமையால் உலக மக்களைக் காத்தவர்
504. धम्मिल्लपुरराज्यश्रीबालार्थननृपार्थितः — தம்மில்லபுரம் என்ற ராஜ்யத்தில் பாலா (த்ரிபுரஸுந்தரியை) அர்ச்சிக்கும் அரசனால் பூஜிக்கப்பட்டவர் (?)
505. वेदान्तभास्करः — வேதாந்தத்தில் சூரியன் போன்றவர்
506. शानयन्द्रः — ஞானத்தில் சந்திரன் போன்றவர்

507. **औश्वर्यवारिधिः** — சகல ஐஸ்வர்யங்களையும் பொழிபவர்
508. **नेपालदेशभूपादवृषदेवोपदेशकृत्** — நேபாள தேச அரசனான வருஷ தேவனுக்கு உபதேசித்தவர்
509. **कैलासकूटसङ्क्षुम्भशुपत्यर्यनाविधिः** — கைலாஸ பர்வதத்தில் சிவனை பூஜிக்கும் வழிமுறை வகுத்தவர்
510. **सौगतप्रातनिष्कासपटुः** — புத்தமதக்கூட்டத்தை நீக்குவதில் திறம்பெற்றவர்
511. **वैराग्यबोधकः** — வைராக்யத்தை போதிப்பவர்
512. **सुधीमणिः** — அறிவாளிகளுக்குள் மணி போன்றவர்
513. **दिव्यदर्शी** — தெய்வீக (ஞான) த்ருஷ்டி உடையவர்
514. **देवदैत्यहृत्** — (பூமியில் அதர்மம் பெருகியதால் ஏற்பட்ட) தேவர்களின் வருத்தத்தை அகற்றியவர்
515. **अभ्रमः** — குழப்பம் இல்லாதவர்
516. **प्रसन्नमलादत्तदरिद्रब्राह्मण्यीनिधिः** — ப்ரஸன்னமடைந்த லக்ஷ்மியால் ஏழை அந்தணப்பெண்ணுக்கு செல்வம் கொடுப்பித்தவர்
517. **सङ्कुलकुसुमप्रप्यमन्दमन्दस्मिताङ्गुरः** — முழுதும் மலர்ந்த பூவனைய மெல்லிய அரும்பு போன்ற புன்முறுவலை உடையவர்
518. **चिन्मुद्रापरिधूतान्तेवासिपुङ्गवसंशयः** — சிந்முத்ரையாலேயே தலைசிறந்த சீடர்களின் சந்தேகங்களை விரட்டியவர்
519. **हरिहरिवयोऽसमस्मसात्कृतभैरवः** — (நரஸிம்ஹரின் மனமுவக்கும் வாக்கின்படி) சிங்கத்தில் பயங்கர குரலாகிய அட்டஹாஸத்தால் பஸ்மமாகிய காபாலிகனுக்கு (உடலைக்கொடுக்க முன்வந்தவர்)
520. **समाश्रितसुधन्वात्तपाङ्कानित्यपूजनः** — தன்னை அண்டிய ஸுதன்வா (என்ற அரசனால்) தமது பாதுகைகளுக்கு நித்ய பூஜை செய்யப்பெற்றவர்
521. **नमःशेषी** — நமஸ்காரங்களையெல்லாம் பெறத்தகுந்தவர்
522. **नामपरः** — (பகவானின்) நாமங்களை முக்கியமாகக் கொண்டவர்
523. **नन्दिताशेषविष्टपः** — தேவ லோகம் முழுவதும் மகிழுற வைத்தவர்

524. એકદર્શી — ஒரு தண்டம் உடைய (ஸந்ந்யாஸ ஸம்ப்ரதாயத்தைச்) சேர்ந்தவர்
525. કષાયી — கஷாயம் தரித்தவர்
526. મુર્ஷી — (தலையை) முண்டனம் செய்து கொண்டவர்
527. ખણ્ડિતசૌગத: — பௌத்தத்தை கண்டித்தவர்
528. દિગમ્બરાદિ:સિદ્ધસિદ્ધાન્તવિનિબર્ણ: — சித்தர்கள் என்று (தம்மைத்தாமே சொல்லிக்கொள்ளும்) திகம்பரர்களின் சித்தாந்தங்களை நசுக்கியவர்
529. મલ્લિકાશ્વેતદશન: — மல்லிகைகளைப் போன்ற வெண்ணிற பற்களை உடையவர்
530. મહிલાદூர்માનસ: — பெண்களின் நினைப்பிலிருந்து மிகவும் விலகியவர்
531. કામાரிமூર્તિ: — காமத்தின் எதிரி வடிவானவர்
532. કુதுகி — ஆநந்தமும் உத்ஸாஹமும் கொண்டவர்
533. કમનીயગுராக்: — விரும்பத்தக்க குணங்கள் இருக்கும் சுரங்கம் போன்றவர்
534. સોமોદ்வாதટிகூમசૌમ્યગોવિન્દસેવન: — (சந்த்ரனிலிருந்து உருவான) நர்மதா நதிக்கரையில் ப்ரஸந்நமான கோவிந்த (பகவத்பாதருக்கு) ஸேவை செய்தவர்
535. માલிகாப்ரியாலுக்யராஜபூஜிதவிગ்: — மாலிகாப்ரியன் என்ற சாளுக்ய அரசனால் (கனகாபிஷேகாதிகளால்?) உடல் முழுதும் பூஜிக்கப்பட்டவர்
536. અત்யாશ்ரமவரிષ: — (நான்கு) ஆச்ரமங்களை தாண்டிய நிலையை அடைந்தவர்களில் தலைசிறந்தவர்
537. શ்ரி: — (ஞானமாகிய நீங்காத) செல்வமாக (தாமே ஆனவர்)
538. શ்ரிதகட்யதூம: — அண்டியவர்களுக்கு கற்பக வருக்ஷமானவர்
539. அக்ஷம்: — களைப்பற்றவர்
540. મருதூதாஜலஸ்னாயி — காற்றினால் தூண்டப்பட்ட (அலைகள் கொண்ட நதிகளில்) ஸ்நானம் செய்தவர்
541. ઘટોદ્ભવસુદર્શન: — (காலடியில்) கும்பமுனியை தரிசித்தவர்

542. स्वयंविभ्रवृक्षाग्रशाभार्पितक्षुलाशनः — தாமாகவே குனிந்து மரங்களின் நுனிக்கிளைகள் அர்ப்பணித்த பழங்களை உண்டவர்
543. वर्षद्धलाङ्कोन्मुक्तनिरासाराध्वमध्यगः — பொழியும் மேகங்கள் கொட்டும் நீர்ப்பெருக்குடன் (கூடிய) பாதைகளில் (பாதிப்பின்றி) செல்பவர்
544. समुञ्ज्वलद्वज्वालादत्तवीथीवनाश्रयः — கொழுந்துவிட்டெரியும் காட்டுத்தீ (விலகி) அளித்த பாதையால் காட்டை அடைந்தவர்
545. शरारुमृगानिव्यूढसरणीयसृतिक्लमः — ஹிம்ஸிக்கக்கூடிய மிருகங்கள் (தாமே) விலகியளித்த செல்லவேண்டிய பாதைகளில் ஸஞ்சரித்தவர்
546. सदानुक्षुलपवनः — காற்றினால் எப்போதும் அனுகூலம் செய்யப்பட்டவர்
547. वसिष्ठः — (நீங்காத) செல்வம் உடையவர்களில் சிறந்தவர்
548. वायुतः — மௌனமாக இருப்பவர்
549. वरः — சிறந்தவர்
550. समीभवत्समुत्पातः — (செல்லும் பாதையில் அந்தந்த ஊர்மக்களின் வினையால் ஏற்பட்ட) அஸுப அடையாளங்கள் தாமே அடங்கப்பெற்றவர்
551. पांसून्मुक्तपथान्तरः — தூசிகளற்ற (சுத்தமான) பாதைகளில் சென்றவர்
552. तुषारशीकरस्पृष्टश्लिष्टपिष्टादनक्रियः — பனி (அல்லது நதி/மழை நீர்) தெறித்துபட்டதனால் மிருதுவான (சத்து) மாவை (மட்டும்) சாப்பிடுவதை வழக்கமாகக் கொண்டவர்
553. मकरन्दमरीमान्यमधुरोक्तिः — மகரந்தத் (தேன்) வழிவது போல் மதிக்கத்தக்க இனிமையான சொற்கள் கொண்டவர்
554. भद्रकविः — பெரும் புலவர்
555. कमण्डलूदरकोटीकृतकलोलिनीमरः — அலைபுரளும் (நர்மதா) நீர்ப்பிரவாஹத்தை கமண்டலுவுக்குள்ளே அடக்கியவர்
556. अमृष्टमस्मद्विनांशुकान्तनिरयस्थितिः — (நீரில் இறங்கியும்) அழியாத திருநீறும் நனைந்த வஸ்தரத்தின் நுனிப்பகுதியில் மீன்களும் கூடியவர்
557. वेलाधामव्युदस्ताब्धिः — எல்லைக் கரையில் ஸமுத்ரத்தை விரட்டியவர் (கதை தேட வேண்டும்)

558. भृतसञ्जीवनेक्ष्णः — இறந்தவர்களை உயிர்ப்பிக்கவல்ல பார்வையை உடையவர் (கோகர்ணத்தில் அவ்வாறு ஆசார்யாள் செய்ததாக சரித்ரம்)
559. भद्रव्याधिप्रशमनः — பெரும் வியாதிகளை குணமாக்குபவர்
560. भद्रः — செருக்கை அழிப்பவர்
561. भृगुवश्यकृत् — மிருகங்களை தன்வசம் கொண்டவர்
562. ऋदुष्णदिसम्भाषी — ஜடம் கூன் உடையவர் முதலியோரிடமும் (கருணையுடன்) ஸம்பாஷித்தவர் (ஹஸ்தாமலகர் ஜடம் போல் காட்சியளித்தவர்)
563. लतापुष्पकृतार्थनः — கொடிகளிலிருந்து (தானாக உதிர்ந்த) பூக்களால் அர்ச்சனை செய்தவர்
564. सौवस्तिककोष्टबृन्धः — (காட்டுப்பகுதிகளில் ஸஞ்சரிக்கையில்) ஓநாய்க்கூட்டங்கள் முன்செல்லப்பெற்றவர்
565. सौभसुमिककौशिकः — (இரவில்) உறங்கவில்லையா என்று ஆந்தைகளால் கேட்கப்பெற்றவர்
566. सौभ्राभतिककाकोलः — (காலையில்) காக்கைகளால் ஸுப்ரபாதம் பாடப்பெற்றவர்
567. सौभ्रासनिकपद्मः — (பாறைகள் முதலியவற்றிலிருந்து விலகி) சௌகரியமாக அமர ஸர்ப்பங்களால் ஆஸனம் அளிக்கப்பட்டவர்
568. सौभ्रायनकृद्धेकः — (மழைக்காலத்தில்) இனிய பாடகர்களின் கோஷ்டியை உருவாக்கும் தவளைகளால் (உபசரிக்கப்பட்டவர்)
569. सौवातिथ्यकपुष्पविट् — தேனீக்களால் (தேனாகிய மதுபர்க்கம் அளித்து) அதிதி உபசாரம் செய்யப்பட்டவர்
570. सौवागतिकशाईलः — புலிகளால் வரவேற்பு சொல்லப்பெற்றவர்
571. सौभोन्मृष्टिकवृश्चिकः — (பாறை முதலியவற்றிலிருந்து எழுந்துகொள்ளும்போது அப்பால் சென்று விழுவதால்) தேள்களால் சரியாக உதறிக்கொண்டீரா என்று நிம்சயம் செய்விக்கப்பட்டவர்
572. सौस्नातिकप्रसवणः — நீர்வீழ்ச்சிகளில் நன்கு நீராடியவர்

573. सौवभ्यञ्जनिकाभ्युदः — மேகங்களால் எண்ணெய் தேய்த்துக்கொள்வது போல் (உடலைப் பளபளக்கவைக்கும் மழை) பொழிவிக்கப்பட்டவர்
574. சௌவீஜிதிக்வாதூல: — பெருங்காற்றுகளால் நன்று விசிறிவிடப்பட்டவர்
575. சௌவநாதபிக்ட்ரூம: — மரங்களால் வெயிலிலிருந்து நன்கு பார்த்துக்கொள்ளப்பட்டவர்
576. சௌவாஸிதிக்பாஸ்ய: — ஸிம்ஹங்களைப் போல் (கம்பீரமாக) அமர்பவர
577. சௌவந்நசிக்வாடஸ: — மலைப்பாம்புகளைப் போல் (ஒரு முறை) போதுமான அளவு உண்டு (வெகு காலம் த்ருப்தியுடன்) இருப்பவர்
578. சௌவிடாஸிக்மத்ரேம: — மதம்பிடித்த யானைகளானைய அழகிய புன்முறுவல் உடையவர்
579. சௌவத்யுபிதக்ட்டூட: — குறைகளில் ஸுகமாக தங்கியவர்
580. சௌப்ரஸ்திதக்காந்தார: — (ஆங்காங்கு) எளிதில் கிளம்பி போவதற்கு பெருங்காட்டினால் (நல்ல பாதை அளிக்கப்பட்டவர்)
581. சௌசாகுநிகமூகல: — காக்கைகளால் சுப சகுனமாக கரையப்பெற்றவர்
582. சௌவாபிதிக்வேஸந்த: — குளங்களில் த்ருப்தியாக நீர் பருகியவர்
583. சௌஜக்டிக்ஷ்லேக்ரடிக்: — பழுத்த மரங்களினால் நன்கு உண்டவர்
584. சௌவிநிமிசிக்மூலூலி: — பூமி தூசி (உடல்முழுதும் சந்தனம்போல்) நன்கு பூசப்பெற்றவர்
585. சௌவஸ்த்ரக்படய்யர: — கந்தராடையை உயர்ந்த வஸ்த்ரம் போல் தரிப்பவர்
586. சௌஜபிதிக்மலூக: — ஜபங்கள் நன்கு நடக்கின்றனவா என்று (விசாரிப்பதுபோல் இடையூறு செய்யாமல்) கரடிகள் அப்பால் செல்லப்பெற்றவர்
587. சௌவதீதிக்யாதக: — சாதக (பறவைகள் குரல் கொடுப்பதால்) பாராட்டப்பட்ட (உபநிஷத் முதலிய) உயர்ந்த பாராயணம் செய்தவர்
588. சௌஸ்விக்ஷிக்ஷோபுய்ய: — நன்கு உறங்கினீர்களா என்று குரங்குகளால் (வந்து விசாரிக்கப்பட்டவர்)
589. சௌவூதீதிக்ஷிக்ஷி: — அழகிய பாட்டுகளால் குயில்களால் போற்றப்பட்டவர்

590. सौम्यबुद्धिश्चावित् — (காலையில் இங்குமங்கும் ஸஞ்சரிக்கையில்) முள்ளம்பன்றிகளால் (எங்கள் மேல் மோதிக்கொள்ளாமல் இருக்க) நன்கு விழித்துக்கொண்டிருக்கலா என்று விசாரிக்கப்பட்டவர்
591. सौवाहिकदिवसः — பகல் காரியங்களுக்கு சூரியனால் அனுகூலம் செய்யப்பட்டவர்
592. सौरात्रिकतुषारंशुः — இரவு காரியங்களுக்கு சந்திரனால் அனுகூலம் செய்யப்பட்டவர்
593. सौयामिकदिवानिशः — பகல் இரவும் சேர்ந்து அனுகூல பொழுதுகள் அளிக்கப்பட்டவர்
594. अवाङ् — (நிர்குண ஸ்வரூபத்தில்) வாக்கு அற்றவர்
595. अक्षयः — (நிர்குண ஸ்வரூபத்தில்) உடலற்றவர்
596. अचित्तः — (நிர்குண ஸ்வரூபத்தில்) மனம் அற்றவர்
597. दण्डी — தண்டம் ஏந்தியவர்
598. द्वैततमोरविः — த்வைதம் எனும் இருளுக்கு சூரியன் போன்றவர்
599. षड्गुणः — (ஆளுகை, தர்மம், புகழ், செல்வம், ஞானம், வைராக்யம் ஆகிய) ஆறு குணமுடைய (பகவத்ஸ்வரூபமானவர்)
600. समलक्ष्मिस्थाद्भेदी — (இருக்கலாம், இல்லாமல் போகலாம் முதலிய) ஏழு விதமாக “இருக்கலாம்” என்று சொல்லும் (ஜைன மதத்தை) உடைத்தவர்
601. अष्टसिद्धिमान् — எட்டு (பெரிய) சித்திகள் உடையவர்
602. अक्षमूर्तिः — முக்கண் உடைய (அம்பாள்/சிவன்) வடிவினர்
603. यतुर्वर्गसुरभिः — நான்கு புருஷார்த்தங்களை (பொழியக்கூடிய) காமதேனுவானவர்
604. बुद्धिवेचिता — ஞானத்தை (உணவுபோல்) பரிமாறக்கூடியவர்
605. श्रीनवावरणार्थादिविधायार्थः — ஸ்ரீ நவாவரண அர்ச்சனை முதலான வித்யைகளுக்கு ஆசிரியர்
606. अदशः — (கர்ப்பவாஸம், பாலியம் முதலிய ஸரீர) நிலைகள் அற்றவர்

607. अजरः — வடிவழகு குன்றாதவர்
608. रुद्रैकादशिनीजापस्नपितार्धेन्दुशेखरः — பதினோரு முறை ருத்ரம் ஜபம் செய்வித்து பிறைசூடிக்கு அபிஷேகம் செய்வித்தவர்
609. निर्गन्धः — (தற்) பெருமையற்றவர்
610. न्यस्तकर्माधः — (உலகச்) செயல்களாகிய ப்ரவாஹத்தை விடுத்தவர்
611. निःश्रेयसरतः — ஒப்பில்லா ஆனந்தத்தில் எப்போதும் திளைத்திருப்பவர்
612. अरतिः — (லௌகிக) ஸுகத்தை நிராகரித்தவர்
613. निरन्तः — முடிவில்லாதவர்
614. नीरुजः — வலியற்றவர்
615. अनीलः — (தனக்கென தனி) இடம் வைத்துக்கொள்ளாதவர்
616. नियमप्रजधूर्वदः — பலவித கட்டுப்பாடுகளை திறம்பட நிர்வகிப்பவர்
617. निगुम्भशतनिर्दिष्टनिर्दुष्टाद्वैतपद्धतिः — நூற்றுக்கணக்கான குழாம்களுக்கு குற்றமற்ற அத்வைத பாதையைக் காட்டியவர்
618. सङ्क्षेपशारीरककृत्सर्वशास्त्रार्पितासनः — ஸங்க்ஷேப ஸாரீரகம் செய்த ஸர்வஜ்ஞாத்மாவுக்கு (தமக்கு பிறகு காஞ்சீ காமகோடி பீட) ஆஸனத்தை அளித்தவர்
619. नैष्ठर्भ्यसिद्धिकृद्भार्तिककृद्वेश्वरान्तरः — நைஷ்கர்ம ஸித்தியை செய்தவரும் வார்த்திகத்தை செய்தவருமான ஸுரேஸ்வரரை (ஸர்வஜ்ஞாத்மாவுக்கு முன்) அடுத்தவராக்கியவர்
620. प्लुष्टीकापञ्चपाटीपाठतोषितपद्मपत् — எரிந்துபோன உரையின் ஐந்து பாதங்களை ஒப்பித்து பத்மபாதரை சந்தோஷப்படுத்தியவர்
621. उस्तामलकिताध्यात्मउस्तामलकदंसकः — ஆத்ம தத்துவத்தை உள்ளங்கை நெல்லிக்கனி போல் கொண்ட ஹஸ்தாமலகருக்கு துறவறமளித்தவர்
622. बहुमन्दानन्दगिरितोऽकप्रकटाअधिः — மிகவும் சுமாரான (திறம்கொண்டிருந்த) ஆநந்தகிரி (என்ற சீடர்) தோடகம் (எனும் யாப்பில் குருவைத் துதித்து

623. चित्सुभाचार्यकुमात्मययविष्यापिताश्रमः — சித்ஸுகாசார்யரால் இயற்றப்பட்ட தன் சரிதையால் விளக்கப்பட்ட ஆஸ்ரம (நிஷ்டையை) உடையவர்
624. उपदेशसुखादिप्रथितप्रकटादयः — உபதேஸ ஸாஹஸ்ரீ முதலிய (நூல்களால்) பரவலாக (பலரும் பயன்பெற) அத்வைதத்தை விளக்கியவர்
625. आभ्याष्टकनिर्देश — (ஞான மார்க்கத்திற்கு ஸாதனமான) எட்டு ஆம்னாயங்களுக்கு வழிகாட்டி
626. मध्यमाभ्यानिष्ठितः — மத்யம (நடு) ஆம்னாயத்தில் (தானே முதல் பீடாதிபதியாக) நிலைத்தவர்
627. विजृम्भादेशाध्वस्ततथागतपथागतः — (இந்த ஆம்னாயங்கள்) வளருவதால் (நாஸ்திகராகிய) புத்த மதத்தினவரை தவம்ஸம் செய்தவர்
628. द्वारकामणिर्माता — (முதல் ஆம்னாயத்திற்கு) துவாரகா மடத்தை நிர்மாணித்தவர்
629. कालिकापिठकल्पकः — காளிகா(வை ஆம்னாய ஸக்தியாகக் கொண்ட) பீடத்தை உருவாக்கியவர்
630. सिद्धेश्वरसपर्याकृत् — (ஆம்னாய ஈஸ்வரராக) ஸித்தேஸ்வரரை வழிபட்டவர்
631. लक्ष्मीप्रसादनः — (ஆம்னாய ஸக்தியான) பத்ரகாளியை சந்தோஷப்படுத்தியவர்
632. छन्दोगः — (ஆம்னாய வேதமான) ஸாமவேதத்தை ஓதியவர்
633. कीटवारस्थः — பூச்சிகளை இம்சிக்காமல் இருக்கும் (ஆம்னாய) விரதம் கொண்டவர்
634. गोमतीतीर्थसेवनः — கோமதீ (என்னும் நதியை ஆம்னாய) தீர்த்தமாக சேவித்தவர்
635. स्वर्पुत्रक्षयार्थपद्मपादनित्येष्टकृत् — (ப்ரஹ்ம) ஸ்வரூபர் என்ற ப்ரஹ்மசாரிக்கு ஆசானான பத்மபாதருக்கு வழிகாட்டியவர்
636. आश्रमी — (இந்த ஆம்னாயத்திற்கு தஸநாமிகளில்) ஆஸ்ரம எனும் பட்டம் அளித்தவர்

637. तत्त्वमस्यादिमहावाक्यार्थरूपवान् — (ஸாமவேதத்தின்) தத்த்வமஸி (என்பதை) முதலாகக் கொண்டு (உபதேசித்த) மஹா வாக்கிய வடிவானவர்
638. ज्योतिर्मकरः — (இரண்டாம் ஆம்னாயத்திற்கு) ஜ்யோதிர் மடத்தை நிறுவியவர்
639. ज्योतिष्मतीपीठनिदेशकृत् — ஜ்யோதிஷ்மதீ பீடத்துக்கு வழிகாட்டியவர்
640. अद्यश्रमसंस्थानः — பதரிகாஸ்ரமத்தை இருப்பிடமாகக் கொண்டவர்
641. अलकनन्दावगाहनः — அலகாநந்தாவில் நீராடியவர்
642. आथर्वणाङ्गिरोवेदी — அதர்வாங்கிரஸ வேதத்தை அறிந்தவர்
643. श्रीपूर्वागिरिसेवकः — ஸ்ரீ பூர்ணாகிரி (எனும் தேவியை) சேவித்தவர்
644. गोवर्धनमहिनाथः — (மூன்றாவது ஆம்னாயத்திற்கான) கோவர்த்தன மடத்தின் தலைவர்
645. गिरियोगपटाश्रयः — (தஸநாமிகளுள்) கிரி என்ற யோகபட்டத்தை (சில ஸிஷ்யர்களுக்கு) ஆஸ்ரயித்தவர்
646. पुरुषोत्तमसत्क्षेत्री — புருஷோத்தமரின் நல்ல க்ஷேத்ரத்தில் இருந்தவர்
647. विमलापीठकल्पकः — விமலா பீடத்தை முறைப்படுத்தியவர்
648. शतानन्दः — (உலகாயத ஆனந்தத்தை விட) நூறு நூறு மடங்கு ஆனந்தம் கொண்டதாக (உபநிஷத்தில் வர்ணிக்கப்பட்டவர்)
649. शतौजः — (அவ்வாறே) நூறு நூறு மடங்கு ஸக்திகளையும் கொண்டவர்
650. दशेन्द्रियविनिग्रहः — பத்து இந்திரியங்களையும் அடக்கியவர்
651. श्रीतुन्दितदेशश्रीऋष्यशृङ्गगिरिश्रयी — (நான்காவது ஆம்னாயத்திற்கு) அழகு கொழிக்கும் தேஸமாகிய ருஸ்யஸ்ருங்க கிரியில் தங்கியவர்
652. शारदावयनप्यातव्याप्यापीठधिश्रोत्रः — வ்யாக்யான பீடத்தில் அமரும்படி ஸாரதையின் வாக்கினால் அருளப்பட்டவர்
653. रामचन्द्रपुरक्षेत्री — ராமசந்தரபுரம் என்ற க்ஷேத்ரத்தில் வசித்தவர்
654. तुङ्गभद्रातटाश्रमी — துங்கையும் பத்ரையும் (கூடுமிடத்தின்) தடத்தில் ஆஸ்ரமம் அமைத்தவர்

655. वराहदेवतासारसारदाह्यशक्तिभूत् — वराहुरे तेवनाकवुडु
ஸாரதையை ஸக்தியாகவுडு கலாண்டவர்
656. भूरिवारी — मिकुதியान (सेल्वसेस्सेழிப்பைத்) தவிர்ப்பதை (வ்ரதமாகக்
கலாண்டவர்)
657. कृष्यजुर्वेदी — க்ருஷ்ண யஜுர் வேதத்தை பயின்றவர்
658. श्रीभारतीपदः — பெருமைக்குரிய பாரதி ஂனும் பட்டத்தை (ஸிஷ்யர்களுக்கு
அளித்தவர்)
659. विभर्त्सकाधिष्ठानस्थमल्लानिकरेशदृक् — விபண்டக முனிவரின்
இருப்பிடத்தில் உள்ள மலஹானிகரேஸரை தரிசித்தவர்
660. विष्पाक्षमल्लदेवमल्लनीयपदाश्रयः — (அதே கர்ணாடகத்தில் ஹம்பியில்)
விஸுபாக்ஷ (க்ஷேத்ரத்தில் உள்ள) மஹாதேவரின் உயர்ந்த கோவிலை
ஆஸ்ரயித்தவர்
661. मनीषिभर्त्सलीमान्यमौलाम्नायमल्लगुरुः — பண்டிதருலகு மதிக்கத்தக்க
(ஐந்தாவது) மூல ஆம்னாயத்தின் (ஸ்தாபகரான) மஹாகுருவானவர்
662. प्राय्यप्रतीयावाय्योदीयाभ्यादिभदेशिकः — கிழக்கு, மேற்கு, தெற்கு, வடக்கு
(ஆகிய மற்ற) ஆம்னாயங்களுக்கு முதல் ஆசானாகக் கருதப்படுபவர்
663. प्राय्याभ्यायसुविन्यस्तुस्तामल्लकसंस्तुतः — கிழக்கு ஆம்னாயத்தில்
வைக்கப்பட்ட ஹஸ்தாமலகரால் நன்கு வணங்கப்பட்டவர்
664. प्रतीयाभ्यायसन्देशनानन्दितसनन्दनः — மேற்கு ஆம்னாயத்திற்கு
உத்தரவிடப்பட்டதால் (பத்மபாதர் ஂனும்) சனந்தனரை சந்தோஷித்தவர்
665. अव्याभ्यायनिक्षिप्तृवीधरनताडिध्रकः — தெற்கு ஆம்னாயத்தில்
வைக்கப்பட்ட ப்ருத்வீதவரால் வணங்கப்பட்ட திருவடியினர்
666. उदीयाभ्यायजनन्दानन्दगिर्यभिवन्दितः — வடக்கு ஆம்னாயத்தில் ஏற்படும்
ஆனந்தத்துடன் ஆனந்தகிரியால் வணங்கப்பட்டவர்
667. कामकोटीपीठपतिः — காமகோடி பீடத்தின் அதிபதி
668. कम्पावेगवतीयरः — கம்பா வேகவதீ நதிகளுக்கு இடையில் சஞ்சரித்தவர்

669. એકામ્રનાથચરણસરોજાતમધુપ્રતઃ — ஏகாம்ரநாதரின் திருவடித்தாமரைகளை (மொய்க்கும்) தேனீ போன்றவர்
670. कामाक्षीचरणाद्वन्द्वपादुकार्यनतत्परः — காமாக்ஷியின் இரு திருவடி பாதுகைகளையும் அர்ச்சிப்பதில் ஈடுபாடுடையவர்
671. ऋग्वेदात्मा — ருக் வேத சொரூபமானவர்
672. परब्रह्मव्यवस्थापनधीरधीः — பர ப்ரம்ஹத்தை (ஸாஸ்த்ரப்படி) நிறுவுவதில் பராக்ரமம் காட்டிய புத்தியுடையவர்
673. सत्यव्रतसमाख्यातकाव्यन्तरितविग्रहः — ஸத்யவ்ரதம் எனப்படும் காஞ்சியில் (இறுதியில்) தன் உடலை மறைத்தவர்
674. सर्वज्ञपीठध्यारोल्लुप्तसर्वज्ञ्यसंशयः — ஸர்வஜ்ஞ பீடம் ஏறியதால் “இவர் அனைத்தையும் அறிந்தவரா?” என்ற ஐயத்தைத் தொலைத்தவர்
675. सुरेश्वरादिसंख्यात्रसमाराधितपादुकः — ஸுரேஸ்வரர் முதலிய நல்மாணாக்கர்கள் வணங்கிய பாதுகையை உடையவர்
676. भीमांसाद्वयपारीणः — (பூர்வம் உத்தரம் ஆகிய) இரு மீமாம்ஸைகளில் கரைகண்டவர்
677. कारादक्षपदाध्ववित् — வைஸேஷிகம் ந்யாயம் இரண்டின் பாதையையும் அறிந்தவர்
678. द्वात्रिंशदायुःकलितत्रिःप्रदक्षिणामृतलः — முப்பத்திரண்டு வயதிற்குள் மும்முறை பூமியை (பாரதத்தை) ப்ரதக்ஷிணம் செய்தவர்
679. आसेतुल्लिभशैलान्तधर्मस्थापनदेशिकः — சேது முதல் இமாலயம் வரை தர்மத்தை நிலைநிறுத்திய ஆசிரியர்
680. विधावशीकृताशेषदेशविद्वज्जनार्हितः — தம் வித்யையால் பரவசமான அனைத்து தேசத்து அறிஞர்களாலும் பூஜிக்கப்பட்டவர்
681. शार्ङ्गदुरुः — உலகிற்கே குரு
682. शार्ङ्गधोनिः — (ஈசனார் வடிவில்) உலகின் பிறப்பு (இருப்பு மறைவுகளுக்கு) இடமானவர்
683. शास्त्रयोनिः — (ஈசனார் வடிவில்) ஸாஸ்த்ரங்களின் பிறப்பிடம்

684. समन्वयी — (முரணாகத் தோன்றும் வேதாந்த வாக்யங்களை) ஒருங்கிணைத்தவர்
685. स्पष्टास्पष्टब्रह्मविद् — தெளிவாகவும் தெளிவின்றியும் பரம்பொருளைக் குறிப்பவற்றை (அறிந்தவர்)
686. साङ्ख्ययोगविमर्शकृत् — ஸாங்க்ய யோக (ஸாஸ்த்ரங்களை) பரிசீலித்தவர்
687. वैयाकरणधीशोधी — இலக்கணம் கூறுபவர்களின் கருத்தை பரிசோதித்தவர்
688. वसिष्ठः — வசிஷ்டர் (போல் பிறரின் தாக்குதலை எளிதில் சமாளித்தவர்)
689. ककुब्धरः — (பரம்பொருள் வடிவில்) விண்ணை ஆடையாக கொண்டவர்
690. गौतमीयवयोमुद्गी — ந்யாய ஸாஸ்த்ரத்தின் (குறைகொண்ட) வாதங்களை முடக்கியவர்
691. वैशेषिकमहापुरुः — வைசேஷிகர்களின் கருவத்தை அடக்கியவர்
692. शौद्धोदनिमदोत्सादी — புத்த மதத்தினரின் செருக்கை சீர்குலைத்தவர்
693. जैमिनीयकुट्टिहृत् — ஜைமினீயத்தின் குறுகிய பார்வையை முறியடித்தவர்
694. दिगम्बरनयान्तधः — திகம்பரர்கள் கொண்டு வந்த கடைசி வாதங்களையும் அழித்தவர்
695. ध्वस्तपाशुपतक्रियः — பாசுபதர்களின் செயல்பாடுகளை சிதறடித்தவர்
696. शून्यात्मवादिर्नर्त — ஆத்மா (இல்லை, அனைத்தும்) சூன்யமே என்னும் வாதத்தை வீழ்த்தியவர்
697. मित्रभागवतागमः — (ஸங்கர்ஷணன் முதலிய நான்கு வடிவங்களே இறைவனின் உண்மை வடிவம் என்ற) பாகவத மதத்தை வென்றவர்
698. विनोदनिर्मितप्रौढन्यायाग्भीरभाष्यकृत् — வலுத்த ந்யாயங்களால் கம்பீரமாகவுள்ள பாஷ்யத்தை விளையாட்டாக இயற்றியவர்
699. व्याख्यातश्रवणरितः — ஜீவனின் சரிதத்தை விளக்கியவர்
700. विश्वसृष्टिविशारदः — பிரபஞ்சத்தின் தோற்றத்தை கற்றுணர்ந்தவர்
701. स्थितिसिमाविभागाज्ञः — இருப்பின் எல்லைகளை பாகுபடுத்த தெரிந்தவர்
702. प्रत्यर्थप्रकाशकः — பிரளயத்தின் பொருளை தெளிவாக்கியவர்
703. संसारतत्त्वसङ्ख्यावान् — சம்சாரத்தின் தத்துவத்தை அலசியவர்

704. मायातत्त्वनिर्मुखाः — माया தத்துவத்தை நிரூபணம் செய்தவர்
705. समूहाविधकाध्यारोपोन्मूलनवियक्षारः — அவித்யையால் ஏற்பட்ட பிரமையை அதன் காரணத்துடன் வேற்றுப்பதில் வல்லுநர்
706. संसारतारणोपायसन्दर्शनपटिष्ठवाङ् — ஸம்ஸாரத்தைத் தாண்டும் வழியைக் காட்டுவதில் மிகவும் திறமுள்ள வாக்கினர்
707. रसिकाह्लादजनकमहावाक्ययमत्कृतिः — (அத்வைத) ரஸிகர்களுக்கு உவகையளிக்கும்படி மஹாவாக்யங்களை செம்மையுற விளக்கியவர்
708. ध्वनिप्रधानामरुकशतश्लोकीमहाकविः — உள்ளர்த்தத்தை முக்கியமாகக் கொண்ட அமருக ஸத ஸ்லோகி என்ற நூலை இயற்றியவர்
709. ब्रह्मसूत्रब्रह्मशिखागीताप्रस्थानभाष्यकृत् — ப்ரஹ்ம ஸூத்ரம், உபநிஷதம், கீதை ஆகிய ப்ரஸ்தானங்களுக்கு விரிவுரை எழுதியவர்
710. प्रत्याब्रह्मैक्यबोधाध्वदशी — உள்ளிருக்கும் பிரமத்துடன் ஐக்கியம் பெறும் வழியைக் காட்டியவர்
711. भोक्षाध्वदर्शकः — மோக்ஷத்தின் பாதையைக் காட்டியவர்
712. निरन्तरकृताभ्यायशिरोनिगदशीलनः — எப்போதும் உபநிஷதங்களின் சொற்றொடர்களையே சிந்தித்து வந்தவர்
713. वेदान्तवनह्यक्षः — வேதாந்தமெனும் அரண்யத்தில் ஸிம்ஹம் போன்றவர்
714. तत्त्वज्ञानमण्डोदधिः — தத்துவ ஞானத்தில் பரந்த சமுத்திரமனையவர்
715. तरुणः — இளைஞர்
716. तरुणीदूरः — (ஆனால்) இளம் பெண்களிடம் ஈடுபாடில்லாதவர்
717. तारापतिसमच्छविः — சந்த்ரனைப் போன்ற பொலிவுடையவர்
718. तारकब्रह्मतत्त्वज्ञः — கடை தேற்றும் பிரம்ம தத்துவத்தை அறிந்தவர்
719. तपस्वी — தவமியற்றியவர்
720. तापसानुगः — தவசிகளைப் பின்பற்றுபவர் (அல்லது) தவசிகளான சீடர்களை உடையவர்
721. तापत्रयविनिर्मुक्तः — (உடல், இயற்கை, பிராணிகள் ஆகிய) மூன்றாலும் ஏற்படும் இன்னல்கள் அற்றவர்

722. नदिनोक्तिनिरासकृत् — मिருதுவான சொற்களால் (மாற்றுக்கருத்துகளை) நிராகரித்தவர்
723. अलङ्कृती — (மனவடக்கம் மற்றும் புலனடக்கம் ஆகிய) அலங்காரங்களைக் கொண்டவர்
724. अतिमान्यश्रीः — (உலக ரீதியில்) மிகவும் மதிக்கத்தக்கவர்களால் நாடப்பட்டவர்
725. आत्मवित् — (தன் சொரூபமாகிய) ஆத்மாவை (உலகின் காரணமான ப்ரஹ்மமாக) அறிந்தவர்
726. ब्रह्मवित्तमः — ப்ரஹ்மமாகிய (உலகின் காரணத்தை தன் சொரூபமான ஆத்மாவாக) உணர்ந்தவர்களுள் சிறந்தவர்
727. ब्रह्मज्ञः — வேதத்திற்கு ஹிதமானவர்
728. ब्रह्मभूतः — தாமே ப்ரஹ்மமாக ஆனவர்
729. स्वाधिष्ठानाश्रितकाम्निः — தனது இருப்பிடமாக விரும்பிய (மதிக்கத்தக்க) காஞ்சியிலேயே நிலைத்தவர்
730. कृतपुण्यस्थलीयात्रः — புண்ணிய தலங்களுக்கு யாத்திரை செய்தவர்
731. धर्माभ्यायार्थतत्त्ववित् — (ஆறாவது) ஊர்தவ (மேலான) ஆம்னாயத்தின் தத்துவப் பொருளை உணர்ந்தவர்
732. कैवल्यक्षेत्रविजयी — (தானொன்றே இருப்பதாகிய) கைவல்யமெனும் க்ஷேத்ரத்திற்கு விஜயம் செய்தவர்
733. शुद्धमानसतीर्थकः — சுத்தமான மனதையே தீர்த்தமாகக் கொண்டவர்
734. सुमेरुमूलसञ्चारी — (உலகிற்கு உச்சியான) மேருவின் அடியை (மடமாகக் கொண்டு) ஸஞ்சரித்தவர்
735. मायाशक्तिविभावनः — மாயையை (பீடத்தின்) ஸக்தியாக பூஜித்தவர்
736. सत्यज्ञानाभिधाह्वनी — (இந்தர ஸரஸ்வதி முதலிய பட்டங்களுக்கு பதில்) ஸத்யம் ஞானம் என்ற பெயர்களாலேயே அழைக்கத்தக்கவர்
737. अभ्युदयानन्दमूर्तिमान् — இடையறாத ஆனந்த மூர்த்தியானவர்

738. सोडंशिवोडंवाक्यश्रीः — ஸோஹம் (அதாவது) சிவனே நான் என்பதை (மஹா)வாக்யமான செல்வமாகக் கொண்டவர்
739. प्रत्यागमायवेदनः — (ஏழாவது) உள்ளிருக்கும் ஆம்னாயத்தை அறிந்தவர்
740. निरञ्जनेश्वरासेवी — (ஸம்ஸார) தோஷங்களற்ற ஈஸ்வரனை வழிபடுபவர்
741. श्रीकरः — செல்வத்தை உண்டு செய்பவர்
742. सम्प्रदायभृत् — சம்பிரதாயங்களை (வகுத்தளித்தமையால்) தாங்கியவர்
743. विधापीठमहायोगी — வித்யையை (ஸக்தியாகக் கொண்ட) பீடத்தின் மஹா யோகி
744. परमात्ममहाश्रयः — பரமாத்மாவையே (பீடத்தின்) மடமாக ஆஸ்ரயித்தவர்
745. त्रिपुटीतीर्थविहतिः — (அறிவு அறிபவன் அறியப்படுவது என்னும்) த்ரிபுடியே (பீடத்தின்) தீர்த்தமாகக் கொண்டு அதில் நீராடியவர்
746. योगक्षेत्रदिवकरः — யோகத்தையே (பீடத்தின்) க்ஷேத்ரமாகக் (கொண்டு அதனை ப்ரகாஸிக்க வைக்கும்) ஸூர்யனானவர்
747. श्रीविधाशक्तिशपनः — ஸ்ரீவித்யையை (பீடத்தின்) ஸக்தியாகக் (கொண்டு) ஜபத்தினால் (உபாஸித்தவர்)
748. मन्त्री — மந்த்ரங்களின் (இருப்பிடமானவர்)
749. सन्तोषनैगमी — (தன்னில்) சந்தோஷித்து இருப்பதையே ஸம்ப்ரதாயமாகக் கொண்டவர்
750. परदंसपरिप्राट् — பரமஹம்ஸ (நிலையையே ஈஸ்வர ஸ்வரூபமாகக் கொண்ட அத்தகைய நான்காம் நிலையிலுள்ள) ஸந்ந்யாஸி
751. श्रीसिद्धायब्रह्मयर्भृत् — பொலிவுடன் தன்னில் நிலைபெற்ற ப்ரஹ்மசர்யத்தைக் கொண்டவர்
752. मातृकैकमहावाक्यः — (ஐம்பது) மாத்ருகா வர்ணங்களையும் ஒரே மஹாவாக்ய வடிவில் (பார்ப்பவர்)
753. क्षेत्रज्ञः — உடலைப் பார்க்கும் ஸாக்ஷி சைதந்ய வடிவமான (ஆம்னாய பீடாதிபதியானவர்)

754. अक्षरतः परः — (உலகில்) அழியாதவை (என்று ப்ரஸித்தமானவற்றைக்) காட்டிலும் பெரியவர்
755. निष्कलाभायनिरतः — (எட்டாவது) நிஷ்கல ஆம்னாயத்தில் நிலைபெற்றவர்
756. शान्तिदान्तियुतः — சாந்தமும் பொறுமையும் உடையவர்
757. यितिः — சைதன்யத்தையே (சக்தியாகக் கொண்டவர்)
758. आनन्दपीठसंविष्टः — ஆனந்த பீடத்தில் உறைந்தவர்
759. स्वानुभूतिपदाश्रयः — சுய அனுபவமே க்ஷேத்ரமாகக் கொண்டவர்
760. श्रद्धामैत्र्यादिनिर्णयः — (ஸாஸ்த்ரத்தில்) நம்பிக்கையாலும் (மற்றவர்களிடத்தில்) நட்பாலும் அறியத்தக்க (சொருபத்தினர்)
761. सखिन्महसमाश्रयः — ஸச்சித் (ஸ்வரூபமே) மடமாகக் கொண்டவர்
762. नभस्तीर्थः — ஆகாயமே தீர்த்தமாகக் கொண்டவர்
763. नभोदशी — ஆகாயம் (போன்று ஸுகுக்ஷ்மமாக உள்ள பரம்பொருளைப்) பார்த்தவர்
764. नभः — ஆகாயம் (முதலிய சொற்களால் உபநிஷத்துகளில் சொல்லப்பட்ட பரம்பொருளானவர்)
765. यिच्छक्तियिन्तनः — சைதன்யம் மற்றும் அதன் ஸக்தி இவற்றை சிந்திப்பவர்
766. प्रणवप्रणयि — ப்ரணவத்தில் அமிழ்ந்தவர்
767. नम्री — (தமது குருமார்கள் விஷயத்தில்) வணங்கிய (உடலுறுப்புகளைக்) கொண்டவர்
768. नन्दोपपूजकः — நந்த கோப குமாரனை பூஜித்தவர்
769. भूमा — (தன்னைக் காட்டிலும் பெரியது இல்லாத) பெரும்பொருளானவர்
770. ब्रह्मानन्दनाम — பிரமானந்தம் என்ற பெயர் கொண்ட (ஸ்வரூபத்தினர்)
771. दूटस्थः — (ஸாக்ஷி ஸ்வரூபமாக) மாறாமல் உள்ளுறைபவர்
772. अक्षरः — அழிவில்லாதவர்
773. धृष्टः — (பக்தர்களின்) விருப்பத்தை நிறைவேற்றுபவர்
774. परास्त्रत्याग्निः — உள்ளும் வெளியும் தனித்தனியாக இல்லாதவர்

775. सकलान्मा — அனைத்திலும் உயிராக உறைபவர்
776. अक्षयः — பகுதிகளற்றவர்
777. पुरुः — (மாயையால்) பல (வடிவமாகத் தோன்றுபவர்)
778. पुरुषः — ஸரீரத்தில் வீற்றிருக்கும் (ஆத்ம ஸ்வரூபமானவர்)
779. पुष्पः — ஸம்ருத்தியுடையவர்
780. पूर्णः — நிறைவானவர்
781. सत्त्वामात्रः — இருப்பாக இருப்பவர்
782. पुरातनः — பழமை காலமுதலே இருப்பவர்
783. योगयोगि — நுகர்வை (ஸத்விஷயத்தில் கட்டுப்படுத்தும்) யோகத்தை அளிப்பவர்
784. योगयोगि — யோகத்தையே தன் நுகரும் பொருளாக ஆக்கியவர்
785. भुवनान्मा — உலகங்களில் உள்ளுறைபவர்
786. वनेयरः — (விரும்பத்தக்க ஒரே பொருளாகையால்) வனம் (எனப்படும் ப்ரஹ்மத்தில் ஸஞ்சரிப்பவர்)
787. भूतिहृत् — (ஸத்கார்யங்களை செய்வதற்கு வேண்டிய) செல்வத்தை உருவாக்குபவர்
788. भूतिदः — (அத்தகைய) செல்வத்தை (அத்தகைய காரியங்களுக்காக நமக்கு) தருபவர்
789. भूतः — எங்கும் வ்யாபித்திருப்பவர்
790. भूरिशः — (பக்தர்களுக்கு அருள) பலவிடங்களில் உறைபவர்
791. भूतभावुकः — இறைவனின் ஸ்ருஷ்டியை ரசிப்பவர்
792. यक्षभृत् — (உலகத்திற்கு க்ஷேமம் ஏற்படும் வகையில் காஞ்சீபுரத்தில்) ஸ்ரீசக்ரத்தை ஸ்தாபித்தவர்
793. यक्षराज्यासिम्हद्वयप्रवर्तकः — (அங்கு) ஸ்ரீசக்ர பூஜை அர்ச்சனை சம்பிரதாயத்தை செயல்படுத்தியவர்

794. यक्षिभूषणभूतात्मा — பாம்புகளை அணிகலன்களாக்கிக் கொண்ட (சிவனார்) வடிவினர்
795. यक्षपाणिनिषेवितः — (சிவனார் வடிவில்) விஷ்ணுவினால் ஸேவிக்கப்பட்டவர்
796. यक्षवर्तिसिरोभूषाशेषायितनभञ्जविः — சக்ரவர்த்திகளின் தலையணிகளில் அங்கமான நககாந்தியைக் கொண்டவர்
797. यामीकरीकृतामत्रदरिद्रब्राह्मण्यीगृहः — ஏழை அந்தண பெண்மணியின் வீட்டில் உள்ள (மண்) கலயங்கள் அனைத்தும் தங்கமாக்கியவர்
798. यतुरोदरगम्भीरवाक्यनिर्भरवादकृत् — (யுக்தியால்) சாதுர்யமிக்கதும் (கருணையால்) பெருந்தன்மை மிக்கதும் (பொருளினால்) கம்பீரம் மிக்கதுமான வாக்யங்களால் வாதம் செய்பவர்
799. यञ्जयः — பயணித்துக்கொண்டே இருப்பவர்
800. यन्द्रयूतात्मा — பிறைசூடி வடிவினர்
801. जितयम्पकनासिकः — சம்பங்கி (மொட்டை) விட (அழகிய) மூக்கை உடையவர்
802. ययिताशेषभूयस्कसारिमत्सञ्जयः — பூமியெங்கும் ஸஞ்சரிக்கும் பலவித மதங்களை மிச்சமின்றி விசாரித்து (பதிலளித்தவர்)
803. यालिताद्वैतविज्ञानः — அத்வைத ஞானத்தை (எங்கும்) ப்ரச்சாரம் செய்தவர்
804. यरः — (பக்தர்களுக்கு அருள ஆங்காங்கு) ஸஞ்சரித்துக்கொண்டே இருப்பவர்
805. यित्री — பலவித (திறன்கள்) கொண்டவர்
806. यिदम्भरः — சிதாகாஸ வடிவினர்
807. यीर्षसत्यप्रतस्थानयिरन्तनसुभासिकः — ஸத்யவ்ரத ஸ்தானம் (எனும் காஞ்சியில்) சுகமாக வெகுகாலம் தங்கியவர்
808. यूर्जितच्छात्रहृदयन्त्रिः — மாணவர்களின் ஹ்ருதயத்தில் இருக்கும் சிக்கல்களை சூர்ணமாக்கியவர்
809. यूर्जपूर्जदुरास्यकृत् — துஷ்டர்களின் வாய்களை மண்ணைக் கவ்வச் செய்பவர்

810. प्रतिष्ठापकधौरेयः — ஸ்தாபனங்கள் ஏற்படுத்தியவர்களில் தலைச்சிறந்தவர்
811. प्रतिष्ठितमहायशः — பெரும் புகழை நிலைநிறுத்தியவர்
812. प्रौढविज्ञानवादिस्थगर्वसर्वदुषोदितः — பெரிய (பௌத்தர்களான) விஞ்ஞானவாதிகளின் கர்வத்தை முழுவதும் தேய்ப்பதற்காக வந்தவர்
813. नन्दिताशेषभूयारी — பூமியில் இருப்போர்கள் அனைவருக்கும் (நித்ய) மகிழ்ச்சியை (அளிக்கவல்ல நன்மையை உபதேசித்தவர்)
814. यतिधर्मविमर्शकृत् — துறவிகளுக்கான தர்மத்தை ஆராய்ந்தவர்/நேராக காட்டியவர்
815. दर्शिताध्यात्मयाथात्म्यः — ஆன்மிகத்தின் உண்மையைக் காட்டியவர்
816. सुधीसङ्घनिषेवितः — அறிஞர் கூட்டத்தால் நாடப்பட்டவர்
817. नदीनदसरस्तीर्थप्लावपावितविग्रहः — நதி, நதம், ஏரி (முதலான) நீர்நிலைகளில் முங்கி நீராடி தூய்மை பெற்ற உடலினர் (உண்மையில் அவற்றை தூய்மைப்படுத்தியவர்)
818. पण्डितप्रातपाण्डित्यप्रमोषणपटूदितः — (கர்வமுள்ள) பண்டிதர்கள் கூட்டத்தின் பாண்டித்யத்தை கவ்வவல்ல சொற்கள் கொண்டவர்
819. तत्पदार्थप्रकटनः — தத் பதத்தின் பொருளை பிரகடனப்படுத்தியவர்
820. त्वम्पदार्थविवेककृत् — த்வம் பதத்தின் பொருளை விளங்கச் செய்பவர்
821. नित्यानन्दः — எப்போதும் ஆனந்தமாக இருப்பவர்
822. निरालम्बः — (சுதந்திரமாய்) எதையும் சாராமல் இருப்பவர்
823. निरक्षः — புலன்களுக்கு அப்பாற்பட்டவர்
824. निष्प्लेक्षकः — எல்லாவற்றையும் (ஸாக்ஷி பாவத்துடன்) பார்ப்பவர்
825. नित्यधीः — அழிவற்ற ஞானம் உடையவர்
826. नित्यसङ्ख्यः — நித்யத்தையே (அடைய வேண்டும் என்ற) ஸங்கல்பம் கொண்டவர்
827. निधिस्थः — (மோக்ஷம் எனும்) பொக்கிஷத்தில் நின்றவர்
828. निरविधकः — அவித்யை அற்றவர்

829. नित्यवासी — நித்யமாகிய (பரம்பொருளில்) வசிப்பவர்
830. नित्यशुचिः — எப்போதும் தூய்மையாக இருப்பவர்
831. निर्दुग्धः — பேராசை இல்லாதவர்
832. निगमारिणः — வேத விரோதிகளை ஒழிப்பவர்
833. निरञ्जनः — (ஸம்ஸார) தோஷங்கள் அற்றவர்
834. नित्यपूज्यः — எப்போதும் வணங்கத்தக்கவர்
835. नित्यभुक्तः — எப்போதும் விடுதலையானவர் (ஸம்ஸார பந்தமே இல்லாதவர்)
836. निरीश्वरः — (தனக்கு) தலைவன் இல்லாதவர்
837. निष्कर्तृ — (தன்னை) உருவாக்கியவன் அற்றவர்
838. निष्कृतिः — எதையும் சேர்த்துக்கொள்ளாதவர்
839. निःस्वः — தனது என்று ஒன்றுமில்லாதவர்
840. निष्कः — தங்கக்காசு (போன்றவர்)
841. निष्प्रियवासनः — அனைத்தும் வசிக்கும் இருப்பிடமானவர்
842. पुरीशः — (தேஹமாகிய) கோட்டையில் உறைபவர்
843. पूर्वगः — (அனைவருக்கும்) முன் செல்பவர்
844. पुण्यः — புண்யமானவர்
845. पूर्वनाभि — முன்னோர்களை வணங்குபவர்
846. पुरुप्रियः — பலருக்கும் பிரியமானவர்
847. विख्यातवीर्यः — கொண்டாடப்படும் வீரம் மிக்கவர்
848. विधेशः — வித்யைகளுக்கெல்லாம் அதிபதி
849. श्रीविधाषोऽशीगुरुः — ஸ்ரீவித்யையின் ஷோடஸி மந்த்ரத்துக்கு குரு
850. लक्ष्मीः — (அனைவராலும்) அடையாளம் காணப்பெறுபவர்
851. लक्ष्यः — (வேத வாக்யங்களால் நேரடியாக தெரிவிக்கவியலாமல்) மறைமுகமாக தெரிவிக்கப்படுபவர்

852. लक्ष्मणः — (ஸுபமான) அங்க லக்ஷணங்களை உடையவர்
853. लक्ष्मणः — லக்ஷணங்களை அறிந்தவர்
854. लसत्पदः — ஒளிரும் ஸ்தானம் கொண்டவர்
855. हिमान् — அடக்கமானவர்
856. संसृतिः — அன்னம் போன்ற (அழகுற) நகருபவர்
857. संसः — அன்னம் (போல் நித்யாநித்யங்களை பிரிக்கத்தெரிந்தவர்)
858. संसृतेहृदम्बुजः — அன்னம் போன்ற வெண்ணிற இதயத்தாமரை கொண்டவர்
859. संसमन्त्रार्थित्वसुः — ஹம்ஸ என்னும் மந்திரத்தின் தத்துவ பொருளை அறிந்தவர்
860. संसर्गः — ஸுரீர்யன் போன்ற நிறத்தினர்
861. हरिप्रियः — ஹரிக்கு பிரியமானவர்
862. धर्माभर्षसुः — மகிழ்ச்சியும் கோபத்தையும் சகித்துக்கொள்பவர்
863. असकुशलः — (உள்ளிருக்கும் ஆனந்தத்தால்) சிரித்துக்கொண்டு சுகமாய் இருப்பவர்
864. अनिवृद्धिनुत् — மிகுவது குறைவது (இரண்டையும்) தள்ளிய (பரம்பொருளானவர்)
865. सभ्यः — ஸபையில் முன்னிற்பவர்
866. सभापतिः — ஸபைக்கு தலைவர்
867. स्वामी — (அனைத்திற்கும்) உரிமையாளர்
868. सम्भृतिः — (சேவை செய்பவர்களுக்கு அனுக்ரஹமாகிய) நல்ல ஊதியம் அளிப்பவர்
869. सम्भवापदः — (மீண்டும் மீண்டும்) பிறப்பதன் (அவசியத்தை) தவிர்ப்பவர்
870. हिवेशितलस्वान्तः — விளாமிச்சை வேர் போல் குளிர்ச்சியாகவும் (வாசனையாகவும் உள்ள) மனதைக் கொண்டவர்
871. हिमतीहरिताम्बुज — லஜ்ஜையுடவளாகிய (அம்பாளால் ஆனால் தைரியமாக) அபஹரிக்கப்பட்ட (பாதி) உடலைக் கொண்டவர்

872. लक्षिताशेषमन्त्रार्थः — अனைத்து மந்த்ரங்களின் லக்ஷ்ய அர்த்தங்களையும் (அறிந்தவர்)
873. लक्ष्कोट्यर्ऽनायकः — லக்ஷம் கோடி ப்ரம்மாண்டங்களுக்கு நாயகன்
874. ललिताङ्गः — லளிதமான உடலைக் கொண்டவர்
875. लयशाला — (பிரம்மத்துடன்) லயத்தை அறிந்தவர்
876. लब्धस्वः — தன்னை அடைந்தவர்
877. लब्धर्षणः — கிடைத்த (தன் சொரூபமான ஆனந்தத்தில்) களித்திருப்பவர்
878. कम्बुकर्णः — சங்கு போன்ற கழுத்துடையவர்
879. कलिध्वंसी — கலியை துவம்சம் செய்பவர்
880. कल्याणआत्मा — மங்களங்களில் உள்ளுறைபவர்
881. कलध्वनिः — அழகிய குரலுடையவர்
882. भूषितान्तर्वाशिष्ठः — பண்டிதர்களின் கூட்டத்தை அலங்கரிப்பவர்
883. भूगः — பூமியில் அவதரித்தவர்
884. भूसुरसेवितः — பூமியில் வாழும் தேவர்களால் (அந்தணர்களால்) வணங்கப்பட்டவர்
885. यागवित् — யாகங்களை அறிந்தவர்
886. योगवित् — யோகத்தை அறிந்தவர்
887. युक्तः — காரியங்களில் தானே ஈடுபட்டவர்
888. यशोदः — புகழை அளிப்பவர்
889. यमप्रियः — சுய கட்டுப்பாட்டை விரும்புபவர்
890. ओङ्कारव्याहृतिव्यग्रः — ஓங்காரம் வியாஹ்ருதிகள் இவற்றில் இருந்து எண்ணங்களை நீக்காதவர்
891. नमितारातिमर्ऽलः — எதிரிக்கூட்டத்தை (வாதில் வென்று) வணங்கச்செய்தவர்
892. नागशैलशिरश्चारी — நாக பர்வதத்தின் உச்சியில் ஸஞ்சரித்தவர்
893. रामगिर्यश्रमाश्रयः — ராமகிரி ஆஸ்ரமத்தை ஆஸ்ரயித்தவர்

894. वल्लिख्यार्थप्रदः — வேண்டிய செல்வத்தைத் தருபவர்
895. शर्वः — (உலகை தன்னுள் லயமாகும்படி) ஸம்ஹரிப்பவர்
896. अदीनः — ஏக்கமற்றவர்
897. भोदभेदुरः — மகிழ்ச்சியில் களித்தவர்
898. यतिर्ययिविद्वेक्षः — யதிகளின் நடத்தையை ஆராய்ந்து அறிந்தவர்
899. यतधीः — (விசாரங்களில்) புத்தியைக் கட்டுப்படுத்தியவர்
900. यतभावनः — (வ்யவஹாரங்களில் மனோ)பாவத்தைக் கட்டுப்படுத்தியவர்
901. ओङ्करी — ஓங்காரத்தையே (எப்பொழுதும் த்யானத்தில்) கொண்டவர்
902. विताद्धैतश्रुतिन्यायः — அத்வைதத்தைக் (காட்டும்) வேத (வாக்யங்களையும்) ந்யாயங்களையும் விவரித்தவர்
903. कृपानिधिः — கருணைக்களஞ்சியம்
904. यन्त्र — நிர்வஹிப்பவர்
905. यतमनः — மனத்தைக் கட்டுப்படுத்தியவர்
906. यभ्यः — (பக்திக்கு) கட்டுப்படுபவர்
907. यज्ञाङ्गः — யஜ்ஞங்களை உறுப்புகளாகக் கொண்டவர்
908. यज्ञभूषणः — யஜ்ஞத்துக்கு ஆபரணம் போன்றவர்
909. यज्ञः — யஜ்ஞ (ஸ்வரூபி)
910. यज्ञपतिः — யஜ்ஞங்களுக்குத் தலைவர்
911. यज्ञवा — யஜமான (ஸ்வரூபியானவர்)
912. यज्ञभूः — யஜ்ஞங்களின் ஆதாரம்
913. यज्ञभावनः — யஜ்ஞங்களை நடத்துவிப்பவர்
914. कृपार्पितकरात्म्यः — கருணை கைகொடுத்து தூக்கிவிடுபவர்
915. विध्वस्तविधिः — விதியை மாற்றவல்லவர்
916. अदऽसूः — ப்ரஹ்மாண்டத்தை உருவாக்கவல்லவர்
917. निभिलक्ष्मातलाचार्यः — பூமி முழுதுக்கும் ஆசார்யனானவர்

918. पाषाणमत्पण्डितः — போலி தத்துவங்களை உடைய மதங்களை கண்டித்தவர்
919. प्रतिष्ठापकमूर्धन्यः — உயர்ந்தவற்றை (தத்துவங்களை) நிலைபெறச்செய்தவர்
920. मताध्यमलून्यः — அத்வைதம் என்ற பெரும்பாதையை (வேதத்தின் கருத்தாக) தீர்மானித்தவர்
921. परिप्राजकधूर्वा — துறவிகளுள் முன்னிற்பவர்
922. अनन्तधूः — அளவற்ற (உலகை) முன்நடத்துபவர்
923. अन्तरान्तरः — உள்ளுக்குள் உள்ளே (இருப்பவர்)
924. मुक्तः — (ஸம்ஸாரத் தளைகளிலிருந்து) விடுபட்டவர்
925. मुकुन्दः — கொண்டாடப்படும் புனிதர்
926. मध्यस्थः — சார்பில்லாமல் (தீர்ப்பு அளிப்பவர்)
927. मद्दूरः — செருக்கிலிருந்து தூர (விலகியவர்)
928. मनोमयः — (பக்தர்கள்) மனத்தில் (உள்ள த்யான) வடிவானவர்
929. शान्तः — (உலகமே) அடங்கிய (நிலையிலுள்ளவர்)
930. शुभद्वारः — மங்களம் செய்பவர்
931. शुक्ः — தூயவர்
932. शूरः — (தர்மத்தைக் காப்பாற்றுவதில்) சூரர்
933. शोकविर्जितः — சோகம் சிறிதும் அற்றவர்
934. भिक्षुः — துறவி வடிவினர்
935. तरक्षुः — (ஞானத்திற்கான) பாதையை செதுக்கியவர்
936. क्षमिता — பொறுமைசாலி
937. अक्षतिः — (வாதங்களில்) காயமடையாதவர்
938. साक्षतार्थिनः — அக்ஷதைகளுடன் கூடி அர்ச்சனை செய்பவர்/செய்யப்படுபவர்
939. राजराजार्थितः — அரசர்களுக்கெல்லாம் அரசர்களால் பூஜிக்கப்பட்டவர்
940. रञ्जयः — ரஸிக்கவைக்கக்கூடியவர்
941. रञ्जकः — ரஸிக்கவைப்பவர்

942. रश्मिमान् — ஒளி வீசுபவர்
943. रभः — மகிழ்பவர்
944. रम्यः — மகிழ்விப்பவர்
945. रसवादी — ரஸவாதம் தெரிந்தவர்
946. रजतनिर्दिष्टः — வெள்ளி(ப்பனி) மலையில் வசிப்பவர்
947. अस्थूः — தூலமாக இல்லாதவர்
948. अनर्घः — அணுவாக இல்லாதவர்
949. ह्रस्वः — (கட்டைவிரல் அளவு) குட்டையான (ஜீவ சொருபமானவர்)
950. मनुः — மந்த்ர வடிவினர்
951. मेधा — ஞாபக ஸக்தி வடிவினர்
952. मलामनाः — விசாலமான மனம் உடையவர்
953. बहुपादः — வெகு தூரம் நடந்து பயணித்தவர் / (விஸ்வரூபத்தில்) பல கால்கள் உடையவர்
954. बहुभुजः — (விஸ்வரூபத்தில்) பல தோள்கள் உள்ளவர்
955. बहुशीर्षः — (விஸ்வரூபத்தில்) பல தலைகள் உள்ளவர்
956. बहुप्रियः — பலர் அன்புக்கும் உரியவர்
957. नान्तःप्रज्ञः — (ஸ்வப்னத்தைப் போல்) உள்பொருளைப் பார்க்காதவர்
958. नप्रज्ञः — (அனைத்துப் பொருள்களையும் ஒருசேர) பார்க்காதவர்
959. नबद्धिःप्रज्ञः — (விழிப்பைப் போல்) வெளிப்பொருளைப் பார்க்காதவர்
960. नप्रज्ञः — சைதன்யமற்று இல்லாதவர்
961. प्रज्ञानधनः — திரண்ட அறிவு வடிவினர் (அறிவு தவிர வேறெதுவுமில்லாதவர்)
962. विज्ञानात्मा — ஸரீரத்திற்குள் இருந்து விஷயங்களை அறியும் விஞ்ஞான வடிவினர்
963. विदासकृत् — (அத்தகைய விஞ்ஞானங்களிலேயே) ஒளிர்பவர்
964. प्रियाप्रियस्पर्शिनः — பிடித்தது பிடிக்காதது என்னும் உணர்வுகளால் பாதிக்கப்படாதவர்

965. अमृतः — अழிவில்லாதவர்
966. आकाशेड्वान् — ஆகாசத்தையே உடலாகக் (கொண்டு உள்ளுறைபவர்)
967. अभूमिः — நிலம் அல்லாதவர்
968. अजलः — நீர் அல்லாதவர்
969. अनग्निः — நெருப்பு அல்லாதவர்
970. अपायुः — வளி (காற்று) அல்லாதவர்
971. अनम्लरः — வெளி (ஆகாயம்) அல்லாதவர்
972. अग्राहः — (கர்ம இந்த்ரியங்களால்) பிடிக்க இயலாதவர்
973. अक्षयकः — (ஞான இந்த்ரியங்களால்) காண முடியாதவர்
974. अश्रोता — (உண்மையில் எது ஒன்றையும்) கேட்காதவர்
975. श्रोता — (உலக நடப்பில் அனைத்தையும்) கேட்பவர்
976. कर्ता — (உலக நடப்பில் அனைத்தையும்) செய்பவர்
977. अकर्तृकः — (உண்மையில் எது ஒன்றையும்) செய்யாதவர்
978. अगन्धः — (உண்மையில்) மணமற்றவர்
979. अरसकः — சுவையில்லாதவர்
980. अरूपः — உருவில்லாதவர்
981. अस्पर्शः — தொட இயலாதவர்
982. अशब्दः — ஒலியற்றவர்
983. शब्देभाति — (வேத) ஸப்தங்களை (தன்னைத் தெரிவிப்பவையாகக்) கொண்டவர்
984. भन्ता — (உலக நடப்பில் அனைத்தையும்) நினைப்பவர்
985. अभन्ता — (உண்மையில் எது ஒன்றையும்) நினைக்காதவர்
986. अनुभन्ता — (மனம் விஷயங்களை நினைக்கையில் அதற்குள் இருப்பதால்) அதனை ஒட்டி பார்ப்பவர்
987. भिद्धा — (உலக நடப்பில் அனைத்தையும்) தீர்மானிப்பவர்
988. अभिद्धा — (உண்மையில் எது ஒன்றையும்) தீர்மானிக்காதவர்

989. प्रबोधित — (ஆத்மாவை அறிய வேண்டும் என்ற) விழிப்பூட்டுபவர்
990. એક: — (உண்மையில்) ஒன்றாக உள்ளவர்
991. અનેક: — (உலக நடப்பில்) பலதாக உள்ளவர்
992. કેவலாત્மா — (வெளி தொடர்பற்ற) தனி ஆத்மாவானவர்
993. सर्व: — எல்லாமும் ஆனவர்
994. संसारमोचन: — ஸம்ஸாரத்தில் இருந்து விடுவிப்பவர்
995. नित्यशुद्ध: — எப்போதும் சுத்தர் ???
996. नित्यबुद्ध: — எப்போதும் நல்லறிவானவர் ??
997. नित्यमुक्त: — எப்போதும் முக்தர் ஆனவர் ?
998. निराश्रय: — (தனக்கு) புகலிடம் (தேவை) இல்லாதவர்
999. धर्माविधातमश्छेत्ता — ஹ்ருதயத்தில் உள்ள அவித்யை என்னும் இருளை வெட்டுபவர்
1000. भक्तहृत्पद्मभस्कर: — பக்தர்களின் இதயத் தாமரையில் சூரியனானவர்

